पतझाड़

पतझाड़

(लघुकथा सग्रह)

जगदीश प्रसाद मण्डल

श्रुति प्रकाशन
दिल्ली

ISBN : ....

मूल्य : भा. रु. □□□/-

□□□ल संस्करण : □□□□

श्रुति प्रकाशन
रजिस्टर्ड ऑफिस : ८/२१, भूतल,न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली- ११०००८.
दूरभाष-(०११)२५८८९६५६-५८फैक्स- (०११) २५८८९६५७
Website : http://www.shruti-publication.com
e-mail : shruti.publication@shruti-publication.com

मुद्रक : अजय आर्टस्, दरिया गंज, नई दिल्ली-११०००२

अक्षर-□□□□□ : उमेश मण्डल, अखिलेश मण्डल

Distributor :
Pallavi Distributors Ward no 06 Nirmali (Supaul)
Pin code no- 847452
Mobile No- 9572450405, 9931654742, 8539043668

Patjhar : Collection of Shotr Maithili ***S****tories*
by Jagdish Prasad Mandal.

सम्मरपन

प्रस्तुत कथा पुष्पमाल आइ कथा प्रमाक समरा' त ज कथ्य कथन कथाक ममक पकाड़ कथापान करै छथि। अघटमे खसल ओइ फूल सदृश्य कथाक कथ-प्रमा न कामल पखुर पकड़ि जल गगाम स्नान करा पवित्र पग प रा देवसिर चढ़ सदृश्य बनबत। आइ ममभदा ा कराक तहेदिल समरपित।

[illegible] सत्ता

[illegible] 00

चारूक्का झगड़ 00

[illegible] 00

[illegible] 00

[illegible] 00

[illegible] 00

ारजल्ट 00

[illegible] 00

[illegible] 00

[illegible] 00

[illegible] 00

खच 00

[illegible] 00

[illegible] 00

[illegible] 00

[illegible] 00

बकठाइ 00

□□□□ □□□

हथिया नै बरसने बाड़ी-झाड़ाक काज अगत शुरू ऽ गल। का‍ कोजगरा छी। ओना समए रौदियाह जका भऽ गेल अछि। मुदा समैओक (मासोक) तँ अपन गुण-धम हाइ छ। चटाएल आस रा तो जमीनमे ठंढ़ तँ पसरिए गेल अछि। भारुका सुरूजक ज साहनगरता एबा चाहा स आबिए गेल अछि। बाध-बोनमे भलहिं रौदी बूझि पड़ैए, मरह -मरहन्ना दार पड़ैए मुदा बोन-झाड़क रूप त आत य बिगड़ल अछि। तहूमे जाड़क उसरन थाड़ छा ज पालाक प पड़ि ठिठुरल रहत, वरसातक ने उनाड़ी छी! सरला भुन्ना त रहुक दु ! लत्ता -फत्ता आा झाड़ो-झूड जे अगते अथात् वरसातस पाहन पुरना व बदलि नव वस्त्रक संग नव कलशक नव मुड़ीमे नव फूलक संग नव फलोक जोरन तँ जोरनाइए गेल अछि। नव सुरूजक सग कान्त नव दिनक नव काज दिस नजरि उठौलनि तँ देखि पड़लनि जे दारीमक बाड़ी जाएब जरूरा आ । केते रंगक कीड़ी-मकौड़ी, उपद्रव शुरू ऽ देने हएत। बिना किम्हरो तकने ओ दारीमक बाड़ी विदा भेला। बाड़ीक मुहानाबला गाछपर नजरि पड़िते दीपकक चिट्ठा मन पड़ल । मन पड़लनि दुगापूजाक छुट्टाम आए सिनहकान्त। कलशथापने दिन चिट्ठा दन छल। जइम खल छेलै जे 'बीसम दिन परीछाक फारम भराएत, कौलेजक पछिला बाका ज आ सेहो लागत।' नाओं लिखौला पछाति एको-पाइ देनौं ने छेलिऐ। दारीमक बाड़ीसँ चोटे घूमि रविकान्त दरबज्जाक चारक आलताक बत्ताम खास चिट्ठा ा कालि दोहरा कऽ पढ़लनि। परीछाक फारम भराएत तइले पाइक ओरियान करब छेलनि। ईहो लिखल छेलनि जे दीपक अपने गाम आबि मा कक कोजगरो पूरि लेत आ तेसर दिन आपसो भऽ जाएत। ओना केते पाइक ओरियान करब अछि स स्पष्ट नहिय आछ मुदा बेटाक पढ़ाइक अंतिम घड़ीमे किछु बजलो तँ नहिय जा सकए। तहूम कालजक आखिरी परीछा छिऐ। अंतिम परीछा मनमे अबिते रविकान्तक खुशा

उपकलनि। बटाक स्नातक भेने परिवारक अगिला सीढ़ीक एकटा पजेबा जोड़ाएत। एक पजेबा जोड़ेन एक साढ़ाक रूप ब जाइए। तेतबे किए, ई की नै भेल जे साधारण पढ़ल-लिखल बाप, बटाक स्नातक बना दुनियाक बाच ठाढ़ सहा करत। स्नातक त स्नातक होइए। जेकरा राज-काज चलबैक बुधि भऽ जाइ छ। खैर जे होउ, जेहेन मन पकड़ि मेहनति करत तेहेन बनत। अपन ज कमक सकल्प दुनियाक सग छल स त अबस्स पूात हएत। ाजनगाम सभक अपन-अपन दायित्व होइ छै, तेकरा ज जहन सकल्पक सग पूात करए स तहन बान ठाढ़ होइए।

कोजगरा दिनक सुरूज ः कऽ एक बास ऊपर भः , करीब आठ बजैत। दीपक रेलबे स्टशनसँ गामपर पहुँचल। जहिना दीपकक मनमे तेल-बातीक जोगाड़क विचार मड़ाइत ताहना रविकान्ताक मनमे ओही तेल-बातीक चिड़ै चकभौर लैत रहत। दापकक दाखते रविकान्त बजला-

> ‘‘बाउ, तोरे बात मनमे घुरि-फीरि रहल अछि बहुत दिन जीबह।’’

ओना पिताक असिरवादसँ दीपकक मनमे मिसिओ भरि हलचल नै उठल, कारणा स्पष्ट अछि। शब्दवाण अकास मागस छाड़ल जा सकए मुदा कमवाण त धरताए पकाड़ चलत। पएर छूबि प्रणाम करब त ा ना स्पश भन नाहय भऽ सकत। ओना दुनू हाथ जोड़ि शब्दवाणो चलैत अछि मुदा ओ अपना सीमामे। पिता-पुत्रक बाचक ज सामा हाइ छ आ ना स्पश भन जँ हएत तँ हाथक आँगुरक अधिकारक हनन हएत। आँगुरोक अपन कमभूाम छै जे रणभूमिसँ रंगभूमि धरि पहुँचबैत अछि।

लग अबिते दीपक पिता-रविकान्तक गाड़ लाग, बाजल-

> ‘‘बाबू, काा चलि जाएब। पाच ादन फारम भरक बाका आघ संगे...?’’

पीठपर हाथ दैत रविकान्त बजला-

> ‘‘एना किए अदहे मुह बजलह। ज खगता तारा हत , ओकर पूात जहा धार सम्भव हएत से करनाइ अपन सकल्पक अंग बुझै छी। मुदा हम तँ पीठेपर ने रहबह, असल काज तँ तोरे

हाथ रहतह। तइल ज सम्भव हएत तइमे पाछू नै हएब, तेतबे आश न हमर करबह। अच्छा ई कहऽ जे केना-कना कायक्रम बना आएल छह?''

दीपक-

''मामाक त अपन पारवारम काज नाहय छा, वएह हकार देलनि, तँए हुनका रातिमे पूरि कााः भोरे गाम चलि आएब, भरि दिन गाममे रहब, परसुका गाड़ी पकड़ि लेब। तीनिए मास परीछाक अछि, अखनि एम्हर-आम्हरमे समए गामाएब नीक नै हएत?''

दीपकक बात सुनि रविकान्त बजला-

''भने एक दिन पहिने आबि गेलह। किछु पाइ तँ अपना हाथमे अछि मुदा तोरा केते चाही, से तँ खोलि कऽ कहबह, तखने ने आरो ओरियान करब।''

ापताक प्रश्न सुान दापक ट गेल। ठमकैक कारण भेल जे फारम भरैक हिसाब तँ बूझल अछि मुदा किछु नव पोथी कीनैक ने ठेकान अछि आ ने सबहक दामे बूझल अछि। अखनि धरि तँ एके सेट किताबसँ काज चलेलौं, मुदा परीछा तँ परीछा होइ छै। तइले सीमित दायरासँ बाहर हुअए पड़ै छै। मुदा लगले मनमे संतोख उठि गेलै, बाजल-

''तीन मास परीछामे शेष अछि कासक ज एक लखकक पाथा अछि ओ तँ अछिए तइसँ बेसी पढ़ले केते जा सकैए, सेहो किछु कीनब।''

नव पोथीक नाओं सुनि रविकान्तक मनमे उठलनि, केहेन हएत जे भोजक बेर कुमहर रोपल जाएत। मुदा धड़फड़मे किछु बाजबो उचित नै हएत। जे काज जे करैए वएह ने ओकर भूतसँ भविस धरि गौर करत। दासर त अनाड़ाए भल। अनाड़ाआ त एक रगक नाहय हाइत। यो बूझल-गमल अनाड़ी तँ कियो बिनु बूझल-गमल हेबे करैत। ओना अपनो साक्षर छा मुदा स्न तक धरि तँ नै जनै छी। तँए बूझल-गमल नै बिनु

बूझल-गमल भेलौं। ओह! अनर मनक आनाब छी। दीपक कियो आन छी, किए ने सभ बात पुछिऐ कऽ बूझि ली। बजला-

"बौआ, हम तँ अपनो केलौं आ अनको देखैत एलिऐ जे पढ़ाइ शुरू ह ए समैमे सभ किताप-कापा काा लइ छेलौं आ भरि साल पढ़ि कऽ परीछा दइ छेलौं, तूँ किए...?"

पिताक पश्न सु दापकक दुख न भल एक विचार मनमे उठल। विचार इ ज कासम किछु पाथा शासन पद्धत क अनुसार चलैत आ किछु अलग। विषय एक रहितो भिन्न-[illegible]न्न लखकक [illegible], [illegible]क्षका बाच [illegible]छु रूपम पढ़बा समए अपन चार स्फु[illegible], [illegible]-मास्तष्कम [illegible] [illegible]न्नता आ [illegible], [illegible]चारक भिन्नता कापा जाच क [illegible]छु प्रभाव पा [illegible], [illegible]-आन लखकक पाथा पराछा लल जरू [illegible]द्याथा त [illegible]ष्पक्ष [illegible]-[illegible]चारक व्याख्या [illegible] [illegible]ताजाक अपन व[illegible]-

"[illegible]-आन लखकक पाथा पराछाम दखब जरूर [illegible] लब त जरूराए उ [illegible]"

[illegible]कान्त [illegible] गला। मुदा कम पाइबलाक आ[illegible] पाइक खचबला काज गरूगर भाइए जाइ , [illegible]कान्ताक भलान[illegible] [illegible]चाराक त अपन समुद्र छ जइम र[illegible] बुझत ज भाग पढ़ छा आाक बथुआ। अपन काज एतब भल ज ज खच [illegible] व्याय[illegible]न्यासक जााव[illegible] [illegible]कान्त [illegible]-

"□□□, □□□-□□□ □□ सभ काजक खच बुझा , □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ दबह। इ न ज झापल-□□□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□-□□□ □□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□□□□ □ □□□ □□□□ □ □□□□□ □□□ जतह। जइस काजम च आतह। काजक ख □□नगाक खच□□ □□□□□"

□□ताक □ □□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □ □□□□-□□□□ □□□ □□□ आकरा त स्पष्ट □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□-□□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□? □□□□ □□, दू श्रणाक काज बना बाजत -

"□□□□□ □□□ □□□□ □□□□, □□□नाक खचा बुझल आछ □□□□ नव पाथा लल अन्दाज□ □□□ □□□ □□□□"

□□□□□ □□□ □□□कान्तक जचलान□ □□□□-

"□□-□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□?"

उत्साा□□ □□□□ □□□□ □□□□-

"□ □□□-□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□ □□ □□ □.□□.□□.□ □□□ □□□□"

□□□-साझ रस्ता □□□ □□□कान्तव□ □□□□ □□□□ □□□□□ □ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□

□□-□□ □□□कान्त खचक अटकार लगाबत रहाथ आाक - चन्द्राव□□ □□□ □□□□ □□□□-

"रस्ता-□□□□ □□□□-ठाहयाएल बच्चा □□□ □□□ □□□□ □□□ मुहम कहास दत त अपन र -□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□"

चन्द्रा[illegible]। पाछला बातक [illegible]ल जका [illegible], आसरवादक प्रमुखता बुझत बजल-

“[illegible]”

[illegible]ना दापकक उत्सा[illegible]कान्तव[illegible] उत्साहक दबलक। दबलक इ ज जइ काजस दापक आशा बाान्ह [illegible]? [illegible]क [illegible] ज काज रूपम [illegible], [illegible]कारक प्रयाग [illegible]कार इ ज जन्मस बच्चा[illegible]-[illegible]-[illegible], [illegible]-[illegible] ज मुजफ्फरपुरस अबम चा[illegible]-पाच घटाक समए लगल ह[illegible], [illegible]ल छान्ह[illegible] आ अहा अपना तालम बताल छा। खर [illegible], [illegible]वार लल नाक नाहय भल। [illegible]-

“[illegible], [illegible], [illegible]?”

[illegible]द्रावता ठमकला। मन पड़ [illegible] उपास। दापकक खाइम कना अबर भल ह , [illegible] व्रत भार-[illegible]त छा। कहा पराण छूाट जाइए। तहूम का दापकक रस्त-[illegible]-[illegible]-कल बन्न [illegible] छल। रस्ता-बाटम त लाकक [illegible]

□ □□□ □□□ □□□ □□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □ □□□

चन्द्रावताक मनक ग्लानि □□□कान्त □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□म किछु अनगल बाजबा □□□□ □ □□□, □□□ □□□□ □□□□-

“पाच हजार रूपआ ज रखल दन र , □ □ □□ □□□ □□□? बच्चाक हजार-□□□ □□ □□□ □□□ □□ □ □□ □ □□□□□ □□□ □□ □□□□?”

रूपआक □□□ □□□ चन्द्राव□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ ज खच □□□क कह छलाए□, □□□□□□त घरक खच बूझ □□□-□□□ □ □□ □□□□□ □□□ □□! □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□, □□□□ □□□-□□□□ खच हएत ताहन□ □ □□□-□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□-

“एक हजार त खच भऽ □□?”

पन्नाक खच सुान रावकान्त □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□□□-□□तृपक्ष (□□□□□ □□□□ □□) □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ दिनक सभ खचक आरयान कइए दन छालयान, □□□□ खच कतए क□ □□□□। पचास रूपआ फुट □ दसमी मेला देखैले देनौं □□□□□□□ □□□□? □□□□-

“कथाम खच भऽ □□?”

उत्साहित हाइत चन्द्राव□□ □□□□-

“दुगा-□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□”

पन्नाक बात सुनि □□□कान्त □□□□-

“□□□□ □□□ □□□□□क बासा ि□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ लेलौं? अच्छा □ □□ □ □□ □□ कीनलौं?”

चन्द्राव□□-

“□□□□ □□□या, □□, □□□□, □□ट्ट, □□, □□□ इत्याा□ □ □□□ लेलौं।”

□□-□□ □□□कान्त □□□□ □□□ □□□□□ □□□□, मुदा अनका प्रश्न □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□-दापकक दाख □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□-

“एक त कानयाक काज सूपस हाइ छ तहूम । टाक मानला □□ □□□, □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □ □□ □तए घलक काज चलए ज अनर पाइक पाानग □□□ □□□□?”

□□□□ □□□ □□□ चन्द्राव□□ □□□□ □□□□-

“पुरुष-पात्र आहना पावा क वस्तुक दुस छ!”

पत्ताक बात सुा □□□ □□□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□कान्त □□-□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□? लगल दासर प्रश्न मनक □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □ □□□□□□□ □ □□ □□□वार एक पुरुष-□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □, स्थाया धारक धारा जका आ! □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□, चन्द्राव□□ □ □□□कान्त □□□ □□□ □□□ □□□, □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□कान्तव□ □□ □□□□ □, □ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□□□ गाड़ाक राक □□, □ □□□ □□? □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ आगू मुह गाड़ा ससरत क? □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□, काल्हए □ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ का□ □□न बटाक मुह सुनब □त ग्ला□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ खच □प□□□ □ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□, □ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □

नाहय आछ□ □□बठ बाान्ह □□□□□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□ □ □□□, □□□□ □□□ □□□स्था□ □□ए तठामक प्रश्न इ भल। एठाम त □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ ज बटाक स्नात□ □□□ □□□याक □□□ □□□ □□□□ □□□ □□नम हराएल जका माइक मुह द □□□□ □□□□-

> “□□□□□, आइ जत खचक पावान □□ □□ □□□, आहन खचक □□□□ पूवज कना बनालान □ □□□□□-□□□ □□ □□□□ □□□□□”

दापकक प्रश्नक गभारता र कान्तक मनक आाह□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ आबए चाहए। मुदा अपन गुरुतर भार दाख □□□कान्त □□□□-

> “□□□, ताहर प्रश्न □□□ □□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□ □□त्र हुअ। अदास रहल ज आजुक श्रम□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ का□ □□ □□□□ □□□□□ □□, □□□□□□ □□□□□-□□□□□ □□□ □□□? □□□...□”

□□स्मत □□□□ □□ताक दाख □□□□ □□□□-

> “□□□ □□?”

□□ □□□ □□□ □□□□ □□स अराम कुसाक बाच ज □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□कान्त □□□ □□□□ □□□□ □□ज्ञासा भरल प्र स्वाता नक्षत्रक अमृत बून जव □□ □□□□, □□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ष सहा बनत आछ। आना ककरा प्रश्नक उत्तर □ सताख हाइ छ आ वएह उत्तर लदलास कम हाइ , □□ □□□□क बुझा □□ □□□कान्त जरूरा बुझा □ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□, □ □□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□, □□□□ □ □□□□□ □ □□□□□ □□□ □□? □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ ब्यात □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□

□□□ □□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□द्याथा छ, □□□ □□ आकरा बरावराक भरल ज , □□ □ □□□□ □□□ □□□ □□-□□ □□□□ □□कान्त □□□-

> “□□, □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□-□□ □□□, □□-□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□-तना खच हाइत जाइ छ। घटबा हाइ छ। भदबा □ □ □□-□□ □□ □र □ □□ □ □□□ □□□-□हारम अशुद्ध □□□ □□ □! □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□ □ □ □□□□ □□□ □न दुगापूजास काजगरा धा □□ □□ □□ना काजगरा प्रात ज क □ □□□, आकरा धममास □□ अनका ताथ-व्र □ □□□-□हार हाइ छ। एहन स्था□□ □ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ ककरा हाथ बच्छ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□”

□□□ □□ □□त चन्द्रवताक जना काजगराक पुनाचान □□□क दवालाक ज्या□ □□ □□□□○○○

□□ दिसम्बर □□□□

चारूक्का झगड़

□□ □□न जका । □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□, □□□□□□, □□हश्व , राधाकान्त आ मनाहर एक्कबर चाहक दाकानपर पहुचला। पाचाक □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□-□□□□□ □ □□□ □□नगाक काजाक। आना पाचा पाच टाल , पाच जाात□ □□□ □□□□ दाकानक एक्क । □□ □□□□ □ □□□-□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ समाजाक ाप□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□, पाचा गाट छ -□□ □□नक भाजक खचाक ा स्सा □□□ □□लास चाहक दाम एक्कठाम ज □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □ चारू सगाआक पाअबत। ए बाचम एकटा शका न करब ज क ८ □□ □□□□□□ □□□-□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □ □□ फल्लाक भाज । □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□-सप्प □□□ □□□ □□□□ चाक अन्तराष्ट्राय □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□□-दारूव , □□□ □□-पथाराक त कता शा - पुराणक। कता पाालयामट त कता युान□□□□□□□

□□□ □□□□ □□□□□□ दुनू परानी सौंसे गाम केता बेर भौड़ी द□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ह ज शुरूहक जठुआ लगनम □□□□ कबुतराक मलास पाट□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ कन्या □□□□□ □ □□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□-पुरान खाप न चाान्ह □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ कबुतराक पास□ □ □□□□ □ □□□ □ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □ □ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□

[illegible] अपन पस्त रहए। हाइ ज कहुना सापा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-पएर लुल्ह [illegible] रस्त-रस्त [illegible] भाज लगा नन रहए ज उगनाम एकटा स्त्र[illegible] भाज न [illegible]

[illegible] जका [illegible] जका कबुत[illegible]

[illegible] क दाखर [illegible]-

“[illegible] भायक आछ[illegible]”

बन्चप[illegible]-

“का चलता गुलता भायक छान्ह ह[illegible]?”

[illegible]-

“[illegible]! [illegible]-पाड़का मारबला गुल्लाआ ”

[illegible] थ [illegible]

[illegible]-

“ए मरदाबाक पुाइ या ज अपनाक कुमार क [illegible]”

सभ चुप। चुपा कना न रहता। जख -□□□□□ □□□□□□ □□□□-□□□□ □□□ □ □□□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ छ। पत्नाक प्रश्नक उत्तर □□□□□□ □□□□-

“□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□-□□□, □□□□□-□□□□□□□ □□□ □□आह करैए तैठाम तँ हम दुइएटा केलौं, □□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ हमहाटा अपनाक कुमार कहा □ □□□ □□ □□□ □□?” ❍❍❍

□□ दिसम्बर □□□□

□□□□□

□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □ □□-□□रगक काजक सग अपनाक दख छा। नाका □ □□ □□□□ □ □□□□ □ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □ □□□ □ □□□याम ककरा □□ □□□□□ □ □ □□□ □□□-मट्ठा पाा क बरात। पनचता कल, □□ □□□□त पंचैती केलौं, □□□□□ □□ □□-□□ □□ □□□□□□□ □□□□ लेलौं। □□ □□□□□ □□□ □□□-□□□□ □□□□□ □ □□□। मुदा कनीए खोंच रहि □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □ □□□□ सभ काइए लेलौं तखनि खोंच □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□छु फलक खोंइचा फले संग जीवन-□□□ □□□□□, □□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □ □□□, □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□-तड़तीक खोंचक दबाइ □□□□ □□ □ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□

खोंच ई अछि □ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□□□ □□□ □□□तौं □ □□□याक लाक □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ लेतौं, □□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□□-□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□-□□□□□□ □□□□□□ सम्बन्ध स्थाा□त केलौं। नीक बूझि केलौं, □□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□? □ □ □□ □□□ □ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□, □□□ □□ □□, □□□ □ □□□□-□□□ □□□□ □ □□ □□ □ □□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□-□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□ □□□

□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□?

□□□□□□□□□ □□ता सग नाकरा कर छला। वचारा □ □□□□ □□□□□□□□□ □□□ □-□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□

छला। हुनका सन पच्चा□-तास गाट ज पाच □□ □□□□□ □□□□□□ □□ अपना भलमनसाहतक न छाड़ल □ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□□न। एक मदक खच ब आ साहबक चल □□□□

□□□-□□□, □□□-□□□ □□□□□□□□-महन्द्र□□□ □□□ □ □□□ अपन उपास्थ□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□-

> "□□□ □□□□, अहा बटाक □□□ □□□□□ (□□□ □□-□□□) □□□ □□□"

अपन उपकार स्वाकारत महन्द्र□□ □□□□-

> "□□□□ □□□ □□□ धरतीपर जनम लेलौं तखनि □ □□□ □□□ नै केलौं तँ जि□□□□ □□!"

□□ □ □□□□ □□□□□ □□□-□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □ कन्यादानस जुड़ल मुख्य प्राव□□ □ कर छा त का कन्या□□□□ □□□□ भागा हम न भला। जरूर भला। मुदा फर □ □□□? □□□ □ □□□ □□चारए पड़त। भल इ ज गामक एकटा छाड़ाक -□□□ □□□ □□□ मट्राक पास □ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □ □□□ □ □□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□। आइ छाड़ाक □□□ □□□ □□□□□-

> "□□ □ल्ला □□□□ □□□ □□□□, □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□□"

□□□ □□□ □□ □□□ □□ □ल्ला□ □□□□, चन्द्रइ त छा न □ अनट्रड भना□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ माकना हाथा जका □ □□□ □□□□□ □□ □□□□, □□□□, □□-□□□ □□□□, □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □ □□□ □□□□□□ □□□□□ □ल्लाम

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ना काना कुत्ताक भगब दुआ लाक कारा बन्न □ □□ □ □□□ना दुलारपुरवालाक □□□□-□□□ बन्न □ □ □□□! □ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□त न छान्ह □ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□वारक कन्याक गुह-खत्ताम बा□ □□□□□❍❍❍

□□ दिसम्बर □□□□

□□□□

पलगपर पड़ल राघाबाबाक आख □□□ □□□ □□□□ □□ हाथस निच्चा □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ गलान। बन्न आ □ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □च्चा □□□ □□ □ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □च्चा □□□ □□□□ □□□। चानापट्टा सन प , फालपाव पएर, □□□ साप जका दुनू बाहक □□ □□□□ □□□-

“□ □□□ □□, □ □□ □□ □ □ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□”

□□□□□□ □□□ □□ □□, □□□□ □□□□□ □□□ □□त्रा □□ हौंकैत बजली-

“सभ कमक फल छा। जहन पासब तहन न उठाएब।”

□□ हाइ-हाइ ब□□ हौंकए लगली। चारि-पाच हाथ हटल चाका तए राघाबाबाक हवा न लगान। मुदा पत्नाक बाल जना आल सन कबकबा □□ □□ □□ □न्ह, □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ कलाक हारत दाख □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ मानक क्रमम व्र □ □□य क्र -व्र □ □□ □□□ □□□ □□□□ □□याक प्रमा पा -पत्ना छा। आना □ □□ बखस □□त्रा पा क झुठक्कर मा □□□ □□, □□ □□-पत्नाक बाचक सम्बन्ध सूत्र ज आहन हुअए ज □ क हाथम पत्नाक छार पकड़ा द जाए आ पत्नाक □ □□□ □नगा बना दल जाए त का आ पत्ना पा □ □□□□ □□ □□□? नाच कम कान्हार पुरुखक ऊपर र □□□? □□...? एहन स्था□ □□त्र , □ □ □□ □ □ □□ □ □□ □□ □□□ □□ लग्गा □□ □ □□ □ □□□न। पत्नाक बात □□□□ □च्चा □□□ □□ □□ □□□□□ हाइ-हाइ मुहपर पखा हाकए

[illegible] जिज्ञासा करत बजल -

"[illegible]?"

[illegible] जिज्ञासु प्रश्न [illegible] मनम उठल [illegible] त हल्लुक-फल्लुक [illegible] आ आइ का छान्ह [illegible] ए दस बखक बाद, [illegible] इच्छा [illegible] जातत ऊपर [illegible] याक बाच न पात-पन्नाक बाच। बजल -

"[illegible]"

पन्नाक झसाएल बात [illegible] स्मृ[illegible] याम पहुच गलान [illegible] सन्ता मदमस्त [illegible] त्राम पब [illegible], [illegible] आइ काआक बाल आ काटक गाछ [illegible] नगाक जालम अपनाक आझराइत [illegible]-एक सूत दखए लगला। कना छाट काठला बनल चारूक [illegible]। खचाइत जाल जका राघाबाबाक मन खचा [illegible] इच्छा [illegible][1] [illegible]

[1] [illegible]

□□□अर साड़ीक बीच लटपटाइत टहलै छेलौं, टहलै छेलौं ओइ विरूदावला वनम जठाम मन्द-मन्द हवा अपन मस्त□ □□□, पुरस्कार दल नतका जका दहम लटपटा गुदगुदब छल, □□□ □□! □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□ □, मुदा स कहा भ , □□□□ □□□ □□! □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□□□ □ □ □□□□□, कान जरूरा छ अन□ □□□, □□□□□ □□□□ □ □ □□□□ □□ □□□, □□□ □□□ □ □□□ □□, □ □ □□□, मुदा अपना कहा बुझला। मन एकमात्र बटापर पड़□ □ □□□ □□□ □□□, मुदा आकरा गलता कहा दख □, □□□ □□□, □□□ □□□□□ □ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□ □ □□□ □ □□□□□□ □□□ □□-□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□-□□□□, □□-□□□□□□□ □□ □□□□या[2] सँ घेरल रहै छेलौं तैठाम जँ ओ (□□□) अपन सम्पार□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□-□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□, □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ छल आ अपन ब्रह्मा जव ख छला। चाह तान सरक तान पस□ □□खौं आकि तान पसराक तान मन। मुदा इहा त भ□ □□ □□ □ □□□ मनक तान □□□□ आ तान पसराक तान सर □ ख सकै छेलौं स कहा □□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□? अपन ब्रह्मा अपन छ□ □, □ □□□□□, □□□□ □□□□ □□-बटाक न गारया अपनाक गार□□□ □ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□, □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□-□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□ □□-□□□□हारक दइ □□□ए तया कहा घट □ , □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□-□□□ □□□ □□□□लाचलक ललमुह□ □□□ आ खस्सा□ □□□□ □□□ □□-□□□-छालहाक अभाव रहल। भाला बाबाक दू□ -□□□□□□ □□□□□ □□□, मुनक्क -□□□□□□, □□□□□ □ □□□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□ □□

[2] □□□□□, कज लान□□□

□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □रूज भगवान □□□□ □□□□□ □□□□□-□□□□□ □□□□-□□□, □□-□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □ □□□ □□□ सभटाक □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□क तृष्णा □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □ □□□-□□ल्टान□ □□□ इन्हार□ □□ □□□, □□□ □□ □□-□□□□ □□□□, □ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□...? अपन कना लगक बाल्ट□ □□□ कलपर आनए जाएब। स न त पत्नाक काह□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ जे जँ कहीं, □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ ज बाल्टा□□ □□□, □□ □□ □□□ □□□, □□□□? □□□□□ □□□ □□□□□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ आ न पत्नाक काह □□□ □□□ □□□ □□□□ पत्नाएक चाकापर ना□ □□□ छान्ह□ □□□याक बान□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□या बसबक वचन दन □□□□□, □□□-□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□-□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□, □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□-□□□□□□ □□ □□-मनारथ सहा छान्ह□ □ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□? □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □ □ पुरुख □□□ □□□ □□□, दुनू शक्ति सम्पन्न हाइत आ□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □ □□ □□□ □□□ □□□-□□□□□□, □□-□□यास त शाक्तक □□□□-□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □ □□□□ प्रयाजन हाइ छ। अखा□ □ □□□□ □□ □ □□□, □□□ □□ □□□□ □□, □□□याक सग लाकक छल-प्रपच करए पड़ □, □□□य छल-प्रपचाक छा। □□□□ □□ □ □□□ □ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□, सम्बन्ध □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □ □ □ □□□ □ □□□याक कता आद-□□ □ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□ए ज सत्यक सकल्प □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ आ शब्द□□□ □□□□ □□□□ □□□, □□□ □□ □□ □□ □□ □ □□□□ □□□ □ □□□□ □ □□□□□ वलगाम घाड़ा जका सत्य-□□□क एक बूझ □□□□□□या पाबए। □□! □□□ मनक बाअब छा, □□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□! □□ □□□□□□□। दस बरख पूव यएह पत्ना □□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□त अश्रुकणस

□□□□□ □□ □□□ □□ □ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□, □□□□ □□□ □□□ □□? लाक बजए आल्ड बटल आल्ड □□□□ □ आल्ड □□□□ उत्तम हाइ अथात् □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□-□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□चारवान प□ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□, स कहा भ□? का इ झूठ ज प्रमा □□□ प्रम प्रमा□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□-कृष्ण जका यमुना □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □हन प्रम □□ कहा पएल ज हाइ□! □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□, □□□□□□□ □□ □□नगाक काना काज बाका न □ □□□ □□□□□□ □ □□□□□ □□□ □□? □□ □ □□□ना न ठूठ गाछ जका □ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□-□□ □□□ □□□□ टुस्सा□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □ □□□-□□□□□ □□ □□□ □□ गल छान्ह□ □□□□□ □□□□□□□□ □□-प्रत न दखह मुदा अन्हार□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□, □□ □□□ भूत जका त दाख□ □□□□□ □□ □□□□□, □ □ -प□ - ठूठ गाछ जका □□ गला त अपन का रहल। रहल खाला एक न्टल □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□-सत्ता □□□□□□ □□ □□□□ क्वा□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□, □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□ झापल बाल्टा□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□त काआ जका मन □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□न चराड़ कएल काआ साझम एकठाम भला पछा □□□□ □□□□□ □, □□ का□ □ □□या न अधला □ कारह आ न अधला बार खइह। जहन खम तहन बुाध □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □ □□□□□□□□ □□□□□ सौं□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ह आ □□□□ अधला खइह। मुदा वएह काआ भारम आह□ □□अमक बदाल □□□□

□□□□ □ □□□ □□□□ □ □□□ □ □□□ह आ ज मन माना स कारह। □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ राघाबाबाक सहा □□□ □□ □□□ मनक कहलकान□ □□□त नणए □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□-□□□□ □□□□ □□□ □□□□ त हमहा एकरत्ता ठाढ़ मारल पीलौं तँ कोन अधला भेल। निआसल मनक पान □□□ □□□ □□□□-□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□, □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□ □ □ □□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□ □□ □□□ □□या इन्हार पाबए। तकक मजगूता दाख □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □ □ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □ □ □ छा त एक चाज सभक एक रग नाक □ए न लग छ। तकक बानम □□□□□□□ □□□□ पन्नापर गला□ □ □□□□□ □□ □□□□-

“□□ □□□□ □□□ □□□?”

□□□□ □□□□ □□□ □□□त्रा बजल -

“तँ बजलौं कि□ □?”

□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□-

“कहुना भेलौं तँ अहूँ बूढ़े भेलौं कि□□ □□ए अनर अहाक हर□ □□□तौं। अपन काज अपने करी, सएह ने केलौं।”

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□त्राक □□रम धक्का लगल □ धक्का इ लगल □ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□? □□□ □□□ □□□ शराराक त रूप बदा □ □, □□□□ □□□□□ जरूरा □ □□ □□□□ □□□...? □□□ □ □ □□□□-□□□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□-□□□□ □□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □ □□□ □□□-□□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□नगाक रूप रहत। ए अवस म चुा फुक्का कहन ! जत सम्पार □□□ □□□□ □□□ □□ □□ सम्पार□ □□ □□□□ □□ □ □□□□□ □□□□? □□□□ □ □□□ □ □ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□-

“□□□□ □□ □□□ □□□□ □□, □□□ □□ □□□ □□□□, □ □□ □ □□□ □□ □□□ □□, □□ □□□ □□□□”

पचास बरख पूव राघाबाबाव □□ □□त्रा सग भ □ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □ स्तर हाइ छ तइ स्त□□ □नगा। बाहरस कम सम्पका आ समाजम पच-□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□। पाहापट्टाक गाम। ज जमान्दार□ □□□ □नका सग दवानन्द □□□□□ □□□□□

□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ ज समतुल्य सम्बन्ध □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □ □□□□□□□□ □□□□□□ □ □□□ मनुखक एकरग मुह-□□□ □□□ □□□□ □ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □ □□□, □□ना दवानन्दक राघवक सम्बन्ध □□□□ □□□ □□□□□ □□ना ठाकुरा प्रसाद □□□□□□ □□□ □□□□□। जमान्दा□ घराइनम बाधा इ उपास्थ□ □□ □□□□ □ □□यादाक सम्बन्ध □□□□□ □□□□ □□कल्पा □ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□□ □□□, □□□□ □ □□□□□-कन्हग□ □□□ □□ □□□, □ □□□□□। दवानन्दा □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □ □□□ □□□ □□□□, □□ □□□□□ □□□नन्द □□□□□ □□□□ ज ज एका पाइ दहज नाहया भटत तया कुटुमता कइए ल भन बटाक न बचन र , □□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ प्रसादक । पाहा दवानन्द □□□□ □□□□□ □□-सप्प □□□□□ □□□□ दवानन्दा पत्नाक □□□□ □□□ □□□ ‘□’ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □ □पाहा छल ठाकुर प्रसाद लग बाजल ज कुटुमता कर □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ ठाकुर प्रसादक पत्ना सुना □□□□□□-

“□ □□□ □□□□□?”

□□ना इन्टरभ्यूव □□□ □□द्याथा ानभाक □ काना प्रश्नक उ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□-

"पुरुखाह लाक दवानन्द □□□"

पुरुखाह सु□ □□□□□ □□□ □□-□□□ □□□□□□ □□-□□□ □ □ □□□□ □□□वारम पुरुख आ □ ला काजक बाच सामाकन आ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□-

"□ □□?"

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□-□□□□ □□□□ □□□□-

"□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□छु पुछन दरबज्जा□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□। पएर धोनौं □ □□□ □□□ □□-□□□ □□□ □□□"

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□-

"□ □□ □□□□, □□□□ □□ □□□?"

□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□-

"□□□ □□□□□□ □□-सप्प उठेलौं आकि धाइ द□ □□□□ □ □□□□□त जूडबन्धन □□ □□□□ □□□-पाग काना छापल आछ□ एक्स पुरुखाक इ □□□ □□□□ □□□□ □□या इज्जा□ □□□ □□ पाग न बनालान□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ प्रश्न न आ□ □"

□□पाहाक भसत दाख □□: □□□□ □□□□□□□-

"□□□त्र क काना दुर-□□□□□ □ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□?"

"□□□□□□, सएह ने कहै छेलौं, सम्बन्धक प्रश्न आ , □□□स्तर बात बूझब जरूरा आ □□□□"

ठाकुर प्रसाद आ दवनन्दक □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□-□□□□ □□□□ □ □□□□□। मुदा दूटा प्रमुख □□□□ □□□□

□□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□, □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ भन छप्पर फाड़ ध -□□□□ □□□□ □□□□ दवानन्दाक भलान□ □□□ □□□□□□ □□□, □□-□□□□□□□ □□□□क्त □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□त्रा लल तानटा नाकरना सहा नहर □□□ □□□। दुनू पराना दवानन्दा □□□ गला आ ठाकुरा प्रसाद दु □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□त्रा। आना तानटा ब -□□□□ □ □□□-□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□त राघाबाबाक चा □□सस धक्का लगला । धक्का ला □ □□□ □□ □□□□□□

□□ □□ □□□ □ □□ना राघाबाबाक सा बखक अवस्था□ □□□□□ □□□-□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□, □□□ □□□□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□-डग पाछू मुह ससरए लगला। ससर -□□□□ □□ □□□□□□ बखक अवस्थाम □□□ □□ □□□□

□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□-□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □ □□□-□□□-□□□-□□□-□□□ सभ मस्त □□□, □□ना त मनुखाक हबा चाहा स कहा हाइए। मन ठमक □ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□-

"□□यासँ दुनू गोटे एकठाम भेलौं, □□यास अहा कान नजारय देखलौं?"

पातक आक्षप सुान सुा त्रा □□□□□-

"निरलज जका बजम लाजा न हाइए?"

पत्नाव □□□□ □□□□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□-

"हमर लाज अहाक लाज न, □□□□ □□□ □□□ □□ □□□"

□□□□ □□□-□□□□ □□□-बाप अपन बच्चाक कता ठाढ़ व□ □□□ गाछक अढ़म नुका रहए आ आनाइत बच्चक दाख □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□-□□□ □□□ □□□-□□□□ □□□, □□□□ □□त्रा बजल -

"□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□, हाथी जकां ज अखना लग □□, □ □□□□ □□?"

□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ जका त ठाक खुऔ-□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □ □□□□□ □ □□□□ □□न दखए पड़त। प्रकृति क अजाव खल छ, □ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □, कानी पालाक पल्ला □□□ □□□ जाइए त कानी रादक ताक्षण □□□□□, □ □□□□ □□□□□□ □□□- □□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□..., □□□-□□□□छ जकां मनुखाक पतझड़ हाइ छ, □ □□? □, □□□- □□□□□□ □□ □□□ □□□□-□□□□□□ □ □□□□□ □□□□□क्त □□□□-□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□? □□□□-

"□□□-□□□□□ □□□ □□ □□□, □ □ □□□ □□ □□□□ □□□- □□□□□, □□□□-□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□."

□□□□□ □□□ □□□त्रा बजल -

"□□ □□-□□□□□ □□□-पन्ना भला आ बू-□□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□."

पन्नाक प्रम भरल बात सुनि राधाबाबा घरस सुरूज □ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□। साझा लाग□ □□ □□□ □□: □□□□□ □□ □□□ □□□□-

"□□ □□□ □□, □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□."

□□□□ □□□ □□□ □□□त्रा बजला □ □, □□□□□ □□ □□ □□□□ □□-मुड़या गलान। जना जावनक नव शाक्त □□□□□□ □□ गल हान्ह □ □□□□□ □ जात शाक्त □□ □□□□□□□□ □□□-□□□□-□□□□ □□□OOO

□□ दिसम्बर □□□□

[illegible]

[illegible]म समए का॰ [illegible]-[illegible] न्त्र हएत ज अदहा जुलाइम खूजत। [illegible] काट पटनास राचा [illegible]

[illegible] हएत। सहा ज फारू ट्रक काट न खुजत त -[illegible] न्ता [illegible], [illegible] चला काटम बास-पच्चार [illegible], [illegible]-[illegible] य भल ज सरकारा रकडम मृत्यु [illegible]

[illegible]रानग काट रहन चाार [illegible] दा भेलौं। [illegible]-पाच करए लगल ज साइाक [illegible] लगल वचाराक ाक [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] दा भला। भारूका सम , [illegible]-[illegible] पूवाक ास [illegible], [illegible]-फुटैत मधुबनी पहुँच गेलौं। ओना राटाक पुबारय घार लग फ्रस [illegible] गल रहा। राटा चाकपर पहुाच [illegible]-पान केलौं।

[illegible]-[illegible] गेलौं। एहेन वेदम [illegible] गल रहा ज ानण [illegible] पाबा ज जहल कष्ट [illegible] काट। चाार बज जजमट भल। कस खा ज भल। आकाल मुसाक [illegible]-भात करत सूयास्त [illegible] गल। अन्हा [illegible]

□□□, एक त अन्हार दासर गमा-□□□, □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□, प्रजातत्र शासन छएह

सूयास्त □□□□ □□दा भला। भगवतापुर तक एक्क झाकम गेलौं, □□□ □□□□□ □□□ पड़ए ज दहक वस्त्र □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□दा भेलौं आकि □□□□□□ □□□□□ □□□□-□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□, □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□-नुक्का खलए लगल। महथ छहर लग आ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □ खतस निच्चा बनल रस्ताम □□□□□ □□□ □□□□□ □□नाक हाशा□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□

□□□क नअ बजत। दू घटाक रस्त □□□□□ □□□ □□-□□□□ □□□□□, □□□□ □□□ धोती खोंसि पएरे विदा भेलौं। पछ□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□, □□□□□□ □□ □□□-□□□ □□-□□□ □□□ □□□ □□□□ □च्चा □□□□ □□□, □□□ □□□□ □□□ □नगाक हियाबए लगलौं, □□□ □□□ □□□□□ □□□, साप जका छछाड़ा कटत धारक ध , बखाक बदला झाव , झाट-□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□कक दू कास आरा जाए पड़त।

□□□□ □□ □□□त पन्ना हला □□□□ □□, □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ना दरबज्जा-□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□-

“□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□-□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□□ □□□ □□□ □□□ □□”

अपन मस्ताम मस्त □□□□ □□□ □□□□ □□□□□-

“अहा अपन आ □□□□ □□, □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□”❍❍❍

□ □□□□□ □□□□

[illegible]-[illegible]

रूपलालक दाखत राधारमण बाजल -

“रूप भा , गाममे नै छेलौं की, [illegible] पड़लौं [illegible]?”

राधारमणक प्रश्नक उत्तर रूपलालक जना ठारपर , [illegible]-

“[illegible], स्वग-नकस ल[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]”

रूपलाल आ राधारमण एक उ[illegible], [illegible] [illegible]नपर दुनूक भट भल स त ानस[illegible] [illegible]वतन जरूर आ[illegible] गल छल। इ बात राधारमणक बूझल ज रूपलालक छाट भाए मातालाल प -बास बखस एम.[illegible]. [illegible] [illegible]ता तुल्य [illegible] एहन प्रश्न अनु[illegible] [illegible]क सम्बन्ध [illegible], [illegible]वारक समाजस [illegible], [illegible], [illegible] अन्तर हाइ छ। ज सम्बन्धस [illegible] [illegible]छु प्रश्न धाखास एहन [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] बातक ज पा[illegible] [illegible] त एहन बवघातक ास[illegible] [illegible]य [illegible]

राधारमणक पटक प्रश्न पटम ◌ □□, □□□ □□□ □ □□□ □□ □□, □□□-□-□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□□, □□□□ □□□ □ □ □□□□ □ □ □□□□□ □□नगाम आथक ावि□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ ज एक भाइक ाध□-पुताक उच्च □□□□ □□द्यालय भट □ □□□ □ □□□□त पढ़ाइ छ आ न पढ़क दासर बवस्थ पुस्त□□□□, □□□□□□, □□बट इत्याा□ □, □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□, यएह छा भयाराक सम्बन्धा□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□-

"दुनू भाइक पारवार आनन्दस □□ □□□?"

राधारमणक गाटा सुतरल। रूपलाल उत्तर द -

"□, □□-बाढ़या □□, □□□□□□□ □□□□ □□□, □□ □□□□□□□ □□स्कुल□ □□□□ □ □□□□ □□□□"

आना राधारमणक कतका काज । □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ नवलाकस भट करब जरूरा बूझ सभ काजक ठलत बाजल-

"□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□"

□□ □□□ □□ □□□ □□□

दरबज्जाव□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□-□□□, □□नक सहा दुनू आ भायक चा □□□-□□क एकठाम बसा, बाचम बसल। रूपलालक छाटका बटाव □□□□□□ □□□□-

"□□□, □□ □□□□□□□?"

□□□□□□क प्रश्न सु □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □ □□□ □□, दीदी धींगरा कहै तँ जेठ □□□ □□□□□ □□त्ता टून कह आ ापा □□□□ □□□□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□□□ □□□ □□□-□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□□ □ □□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ना माएक लाभ ज नूनू कहब □□□ □ □□□□ □□□□, □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □

बच्चरा □□□ □□□□□-□□□□□ □□, डढ़ बखक पछाा□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□, □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□ना हठ-हठाक मालाम छाटका टुनटुना लगाल उ □□□□ □□ □□-□□ □□□□□□□

ापत्ताक प्रश्न सुान। जाहना -□□ □□□□ □□साबस रूपआव □□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□-

“□□□”

जठ भायक दखबत म□□□□□ □□□□-

“□ □ □□□?”

“□□□□ □□□□”

बाहनक छाटका बटाक दखबत पुछलक-

“□ □ □□□?”

“□□□□”

“□□ □ □□□?”

“□□□□□□ □□□□”

□□□□□□ □□-□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ फल अपन प्रमा जा -जन्तुवा □□□□□ बनत आ न रहन आकरा प्रमाक □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□क्षक □□□ □□□ □□□□ □ □□क्षा त ाशक्षा छा चरम लः □□□□ □□, □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□, □□ □□□ □□क्षा पाा □□क्षक बनला आ वएह □□□ □□क्षक बनत , दासरक बूाझ □ □□□□ □□□□ □□□ नै पेलौं तखनि □□□ □□□□ □□ □□क्षा ा क्ष थाा□ □□चारस हुअए। मुदा सवा ान्वृ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □□छु कमा जरूर भल। सहा त □□□□ □□□□ दुनू भाइ रूपल -□□□□□□ □□नगा शुरू भल। ज

रूपलाल अपना संग प वार आ समाजक जाोड़ मस्ताम [illegible] लालक न भ [illegible] द्याथा रहन ना -[illegible] इए स्कू[illegible] लगल। डाक्ट[illegible], [illegible], [illegible]. करब इत्याा[illegible] [illegible].[illegible]. [illegible] ग्रा लला पछाा [illegible]! हमरा जाकर काज कहा छ! गामक जे बात बुझए चाहै छेलौं से आब केना हएत!! [illegible]-[illegible]? [illegible] त्य [illegible] अन्ता [illegible], [illegible] गाम देखलौं ओहने चित्र न मनम आत। [illegible], [illegible] नगाक [illegible]-कलापक [illegible]-[illegible] त्र आगूम दब त का नवका तूरक लाक आन [illegible]! [illegible] दशन त आतुक्का [illegible] त अन्हरा [illegible] देखलौं की आ देखेलौं [illegible]! अपनाक बाल [illegible] नक छुट्टाम गाम आएब छाड़ [illegible]-[illegible] छुट्टा बना मार -[illegible] धा रह। पाच नक छुट्टा दुगापूजाम स [illegible] बाका अस[illegible]-[illegible] गल। पाच ताराखक चाल [illegible] मनम द्वन्द [illegible], [illegible]-[illegible]-[illegible] स नगड़ा बजा स्वागतम आनया रहल आह, [illegible]! [illegible] त्र स्व तम मातालाल बच्चा [illegible] आछ कतास मुड़ा आ कतास नागार [illegible] न हत। कालखण्डक अनुरूप

□□□□क ढाचा बनत रहल आछ□ □ □ □ □ □□□□ □□□हासक कना □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□

रस्तपर रूपलाल आ राधारमणक अबत दाख मातालाल त □□ □□ □□□ □□□□-

“प्रणाम, □□□ □□□□?”

मातालालक प्रणामक उत्तर दत राधारमण बाज -

“□□□□□□, □□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□स्कुट खाइले एलौं □□□”

बाह पकाड़ मातालाल राधारमणक बसबत भाताजक कहलक-

“□□□, □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□”

□□□□□□ □□□-□□□क आबत रूपलाल अपना ब□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□-

“□□ □□□ □□□□ □□□□?”

राधारमणक प्रश्न सु □ □□□□□□ □□□□-

“□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□”

□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □ □□ □ □□ □□□ अग्रजाया नववष, दासर दिस अनका अपन नवव□, □□□ □□□ □ □□□ □□□□, □□□ □□□□ □ □□□ □□□□□□□ मुदा प्रश्न त उठब करत सात समुद्र पारक मनब , □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□? प्रश्न त □□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ सस्कृत प्रममय आ□ □ □□□ □□ □□□ □□-कणम ब्रह्मस्र रूप दशनक रूप ततास कराड़ -□□□□, □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□चारक आगू बढ़बत राधारमण बाजल-

“□□□□-□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□?”

□□□□□□-

“□□□ □ □□□□□□□ □□□ □न्तर □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□कताक ह्रास। -सकड़ा रूपआक माल मनुख □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□-भयाराक सम्बन्धम □□□□□ □□□ □□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□! □□□ □□ □□□□□□□ चारू भाइक पा□□□□क सम्बन्ध□ □□□-□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□, □□□□ □□□ □□□□□□□क सम्बन्ध नष्ट □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□, □ □ □□□□ □□□□”

आना राधारमणक प्लटक रसगुल्ला □□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ सुआद जरूर अ गल छल ज ज प्रश्न मातालाल उठालक ककर प्रश्न भल। हजार हाथ मगानहारक एक हाथ कत द□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□-□□□□□ □□□ □□□□ □□□-भाषा क्षत्रम र □□□□ □ □□ □□ □□ □ □□ □□□□ □□□त्यक माथ□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ अपन राशन काडपर माथला भाषा दज करा सका। खर ज हा□, □□□ □□□ □□□, काइ काहू मगन। मातालालक गभार प्रश्नक उत्तर राधार □ □□ □□□□-

“□□□□ □□ □□□?”

□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□□ मातालालक मनम भल। मुदा शब्दवाण कलजाक बध दन छल। □□□ □ □□ □ □□छु प्रश्नक □ □□□ □□□, मुदा पाहापट्टा बू□ □□□□□□□ प्रश्नक टा□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□-

“□□□ □□□□, □□□ □□□ □ □□□या कहब त बुझब कना। □क□ □□-□□□□□ □□□□ □□□ □□□□, □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□ आकर रूप रग अपन गाम जका न उ , जहन जरूरा □

□□□ □□□ □ □□ □□, □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □□□ □ □□□ □□ □□□"

मातालालक प्रश्न फना राधारमणक घुारयाएल □ □□□□ □□□ इच्छा □ □□ □□□□ □□□वारक □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □, ज स न हएत त शब्दज□□□ □□□□ □□□□ □□□□-

"□□□वारक का सभ भार अहा ऊपर आछ आ का सभ □ साहबक दन ाछ□□□?"

राधारमणक बात मातालालक लागल , □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□-

"□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □ □□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □, □□□ □□□□-□□□□ □□ लइ छा। अपना आगू मुह □□□□ □□□ □ □□□वाराक ससारक आछ□ □□□□□ □□□ □ □□ □□□, अपन ढग चलक छान्ह, □□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□ □□ छान्ह □□□ □□□ □□□-बच्चाव□ □□□, □□-□□□□□ □ लत -□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□"

□□□□□□□-

"□□□ □□□ □□□□□ □□□□□, कहुना त श्रष्ठ □□□ □□□?"

□□□□□□□□ □□□ □□□ मातालाल मुस्का □□ □□□□-

"भाय साहबक घु□-□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ स मानए न रहला आछ। अहा सगतुारया ाछयान काहयनु।"

चाकापर बसल रूपलाल दुनू गाटक बात सुान बाज -

"अहा सबहक ा□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □ब हम आइ जाकर रहला ज ड्राइवरा करब। जइ गामम र

छा तइ सभ तरहक जरूरात त गामम पूात □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□”

रूपलालक चारक राधारमण टारत बाजल-

“□□□-□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□-□□□□□ □□□ □□□ अच्छा □□□□□ □□□ □□□, □□ □□□□ □□ □□□□, □□□□ □ □□□□ □□नता भयाराक बाच नाहर □□□□”

रूपला -

“□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□, □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□ सड़कपर चालत छ मुदा कहा क □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ त ड्राइवरक □□□□□ □□□□□□□”

□□□□□ □ □□□ □□□□□□ □□□□-

“□□□ □□□□, □□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□-आध घटा लल भट हाइत राहह□□”

□□□□□□-

“□□□ □ □□□□ □□□, □□□ □□□□□ □ □□□□□□ □□□ □□ □□□, □□□ □ □□□-सप्प □□□, □ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□-□-□□□□ □□□□ □□□ □□”

□□□□□□-

“□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□-□□□□□-□□□□, □□-□□□या□ □□□ अपनाक □□□ □□□ □□□□□ □□□□”❍❍❍ □□ □□□□□ □□□□

रिजल्ट

□□□ जनवराक राव दिन रहन दासर दिन स्कूल□ □□□ □ □□□ दिनक छुट्टास पाहन भल पराछाक र □□□□□□ □□□ □क्षक □□□□□□ □ □द्याथाक बाच नव बखक उपहारक समए रहन खुशाव □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□! दुगापूजा अबस पाह□ □ □□□ □□□ □□□□ □ □ सप्तम□ □□□ धार रहब करत। ठाउ कर , □□-□□□□ □□□ □□□, काच माटक □यारास साझ द□, स्तु□ □□□, □□□ □□□ (डिम्हा) □□□□ □□□□ ज उत्सवक मला शुरू हाइए तकर पछा □ □ □□□-□□□ □□□□ □□□ □□□□□

गामक हाइ स्□ □□ □□□ कक्ष□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □जल्ट □□□□□□ □□□□ □□-□□ □द्याथाम खुशा □ □□□□ □□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □नक छुट्टाक उछाहा तप □□ □□□ □□□□ □ए न रहत। आना छुट्टाक उछाहा सभ छुट्टाम हा □ □□□ □ □□□ □नक छुट्टाम नाहय र , □□□ □छुआ त जरूर रहए। □□□ □तका छुट्टा द्यालयम हा , □□□ □छु स्थ□□ □ अस्थाइ□□ □□□ □□□□-□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □स्सा □□□ □□ □□□, □□□ □□ □□-□□□ □□□ □□□-□□□□ □ □? □□□□ □□□ □□□□-□□□□□ □□□ □□□, □□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□, □□□ □□ना घटनक बढ़न कहल जाइ छ त □□ □□□ □नक पघ दि□ अथात् □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□!

□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ एक त इस्कूल□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □जल्टव □□□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□□ □□ □द्यालय जाइस पाहन हकार सहा बटव □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□-

"□□□, □□ □जल्ट □□□□□□"

□□□□ □□□□ □□□□ □□□ श्याम□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□? आ बरहबद्ध □□□ छाथ ज दाक्षा □ □ □क्षा पछा □□न। गाबरा गणशक □द्याल □ □□□ □□□ □□ □□□□ असारवादक प्रा क्षा छा □□□ □□ □□□

□थक सुरूज प □ □□□□ □□, □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□, □जल्ट□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □ □□ □□□ □ □□□□ □□□□ □ □□वाराक कनात। □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ पाता काह गल रिजल्ट □□□□□□ □□□□□ स उठ रस्ता□ □□ □द्यालय □□□ □□□□ □□ □□□□□। जत्त दूर नज □□□□ तबाच कता पाताक □□□ □ □□□□□□ □□□ □□ दरबज्जाप□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ पाताक □□□ □ □□□□ □□□ आकर फलाक सुनब छाड़ □ □ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□-□□□ □□□ □□-□□ □□ष्कार □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□, □□□□-□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □खक जिनगाक तास बरख बना दत। दू दिन तँ सौंसे □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□-□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ गणशक। □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □या फलक फल बुझए। श्यामचरणक मनक गाबर □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□ □ □□□, □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □ □□□ □□□-□□□□ □□□□□ □□□-अगस्त □□□ □□□, □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □ □□□ रस्तापर पहुच स्व□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ पाताक कता न दाख मन ठमाक □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□□□, जँ कहीं संगी-□□□ □□ □जल्ट□ □□□□ □□□

□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□, □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □ □ □ □□□□ □ □□□ □□□-बटा लाखा बर सप्प□ □□ □□ □ □□□□ □□□ □ □□□-बापक सवा हमर धम न कतव्या □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□-□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□- □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□धारा गाबरधन पहाड़ उठा इन्द्र□ धारक रााक □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□-□□□ □□□□□ □□-□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□□ आाछ। नजार पाड़त बाबा ह -हाइ पाछू घूा , □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ खुशा मनक □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ प्रात क्षाक घड़ा असाथरस न □□□ □□□ चलए लगए। श्या□□□□□□ □□□ □□□ना उठलान। चाार बखस □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □ □□□ □□नगीमे एकोबेर ने फेल केलौं हेन। जँ से रहि□ □ □□□□या बरद जका □□□ □□□त कान झााक □□□□ सहा त नाहय बूाझ पड़ए। □□□ □ □□ कना आछ इ त आकरस भाज लगत। □□ □□□□□□ □□□ □□ □ मृत्युक चच कर छाथ, मृत्युप□□□ □□□□ □□□ मृत्युवा □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □ □□□□ प्रश्नक उत्तर टटक □□ □□ □□□ □ □ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□-□□आएल पाइ थाड़ कारााबारम आात। ज कान -कानया □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □ □□□□□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□, □□□ □ □□□य भल आछ। मन घाड़मट्टा हुअ □□□□□□

□□□□ □□□ □□□त श्याम्चरणक गाड़ लाग बाजल-

“□□□, □□जल्ट □□□□□□”

□□□□ □□□□ □□□ सुान श्य□□□□□ □□□ □□□□□, □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ फल कलक स कहा बूा □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□। मुहक रूा □□□□ □□ □□□ □□□ □□ पुछब ज बाआ पास कल आाक □□□ □□□-□□ □ □□□ □□नगाक ा याम करए। ज बच्चस प्रवाा □ □□ □□ □ □ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□□ □□□ □□छु प्रश्न छा □ □□□□□ □□□□-

“□□□□ □□□ □□□□”

□□□□□ □□□ □□□ श्याम□□□□□ □□□ □□□□□, □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □ □! □□□□□□□ □□□□ □□ □ □□□ पब छा। असमजसम बाबाक पड़ल दाख □□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□-

“□□□□ □□□ □ □□ □□ □□□ □ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□?”

पाताक प्रश्न र् श्याम□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □ □□□ □ □□□ □ □□□ □ □□□□ □ □ □□□ □□□□ □ कहीं आगूक बात पूछि □□□□ □ □ □ □□□ □ □□□□ □□□ □ □□□ □□□ □ट्टा □ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□-□□□□□ □□□ □ □□□□-□□□□ □□□, □□□□□ □ □□□□□□ □□□□ □□□ना बाबाक नु पुछनौं □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ना न पाताक बाबापर। अपन फुड़न गाब □□□ □□□□-

“□□□□ □□□ □ □□क्षक पढ़ान रह , □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□”

□□□□□ □ □□□□□□□ □□□ □□छु पुछक मन श्यामचरणक भलान, □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□-

“□□□□ □□□ □ □□क्षक ज । □□ □□□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□”

□□□□ □□□□□ □□□ □□□ श्याम□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ जका आर-□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ त दासर हरा जान्ह □ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ त भटलाहा हरा जान्ह□ □□□□ □□□□ □□□□□ड़ा जका भ□ □□□□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□-□□□□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□-

“□□□, □ □□□ पेलौं □ □□□ □□□□□□ □ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□-□□□-□□□□□ □□□ □ □□□...?”

बाबाक प्रश्न र् , सापक बाख झाड़ानहार मनता या जका □□□□ □□□ □□□□□ □□□□-

“□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□”

दासर साल सुानत ाबच्चम श्याम□□□ □□□□ □□□□□-

“□□□ □ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□-□□□□□-□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□-□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □ □□□□-□□□-□□□□□ □□?”

□□□□□ प्रश्न र् , □□□□□ □□या इन्टरभ्यू □□ए जाइकाल रस्ता□ □□□-बूझल बात सुान प्रश्नक पुछड़ा पकाड़ -□□□ □□ उत्तर । □ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□-

“पहिलुक साल पढ़लौं जे केना कि□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□”

□□ श्यामचरणक पाताक उत्तर सुनल बू □□□□, □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □ □□□क रस भाट रहल छान □ □□□ □□□ □ □□□□□□ □□-□□चाक बाच सम्बन्ध □□□ □ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ पाता। मुस्का □□ □□□□ □□□ □□□□-

"दलानक खुट्टापर ज ललका कपड़ाम रामायण बान्ह □□ □□□ □□ □ □□□□ □□□ □□□ल बखक कासम रहए।"

□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ श्याम□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □ कना बूझब। एहन प्रश्न पुछबा कना करब। ज कहा आगू मुह गेल हेतै तखनि अगियाएल बात बाजत। जँ कहीं अगवानीक चालि □□□ त अनर अनसाहात लागत। स न त □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□-

"□□, □○□□-□□ □□□ □□ □□, □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □ □□-कान रहल ज श्रवणकुमारक प □ □□□□ □□ □□ □□□□□"

बाबाक प्रश्न सुान गाबर गणशक मन मघया खतक ख □□, □□□□ जका गद-□□ □□□ □□□□-

"□□□, रस्ता-□□ □□□ □□□-□□□□ □□□ □ □□ □□□□ कुत्त -□□□□ □यान ताड़त त कखना बान □□ □□□□□ □□□- □□□ □□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□- □□□□ □ □□□ □□□-पुता रस्ता-□□□□ □ □□□ □ □□□ कतए। स न त चलू दरबज्जाप□, □□□□□ □□□□"

□□□□ □□ □□ श्याम□□□ □□□□-

"जतए बसा वएह सुन्□ □□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□, □□□-दरबज्जाव□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□-□□□ □□, □□□□□ □□□-□□□□□ □□□ □□□, कुत्त -□□□□□, □□□-□□□ □□□-□□-□□ □□□ □□□ □□ □□-सप्पम □□□ □□□□□"

□□□□□ □□चार गाबर गणशक नाक लगल। मनम एल गा॥ -गारूक □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□-

"□□□, □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□□"

□□□□□ □□□ □□□ कना पाछू घुसकत श्याग□□□□ □□□□-

"सालहन्रा कना □□□ □□□□, □□□ □□छु झल जका त भइय □□ □□□□"

'□□' □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□-

"चारू □□क चचा आछ।"

'चारू □□' सुान श्या□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□-

"□□□, □□□ □□क चचा न पाथा-□□□□□ □□□, □□ □ □□□□ □□□-□□ □ □□□-□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□, □□□□ □□□ □□न्हारक भट हाइ छ तखना कह छ □□□ □□□□□ भट भला। आब तोहीं कह□ □ □□ □□क क कहए ज कत □□ □□□□!"

□□□□□ □□चार गाबर गणशक जचल। बाजल ाक□ □ □□□ □□□□□ बान्हल काना वस्, जका मुड़ा डालबए लगल। बाबा बूझ गल □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□-

"□□□□□ □□न्हारक बात कहाल॰ □ □□□ना बारह बखक सहा □□ □□□ □□□ □□"

बाबाक विचारक उड़त दाख गाबर गणश बाजल-

“[illegible]”

[illegible] मुदा श्यामचरणक भलान [illegible] भारसक ज कहालए आ हृदक बधलक हन। नाक हएत ज आरा [illegible] [illegible]चारक रस्ता [illegible]-

“[illegible], जखनि एते बाजिये गेलौं तखनि कनीए आरो रहल अछि, [illegible] त्रत , द्वापर आ कलयुग [illegible] काना ए[illegible] [illegible]”

[illegible]-

“[illegible]?”

[illegible]ज्ञासा सुान श्या[illegible]-

“दखहक ज चारू [illegible], स कहा आछ। चारू चाार रग आ[illegible] [illegible]श्चन्द्र [illegible], अपना फुइन ज एक्क गाटक [illegible]”

[illegible] काना लत्त [illegible] ाबच्चम [illegible]। अनर अक्छा [illegible]-

“[illegible], अहा चाार [illegible]क चचा कर [illegible]छ[illegible], मास्टर [illegible] ज पाचम [illegible]”

□□□□□ □□□ श्याम□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□□ □□□ □□छु कह छाथ। सुनक प्रा झु जका मुह लग छान्ह □□□-

“□□□, □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□। नाक भाज्य पदाथ छिएह। मुदा प्रश्न त एकटा उ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□ □□, □ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□-□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□, □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□”

गाबर गणशक बात श्यामचरणक जचलान। ब□□□-

“□□□ □□□ □ □□□ □ □□□ □ □ □□□ □□□ □□□ □ □□च्चार □□□ □□ □□□□ □□□ □□, □□□ □□□□□ त लग्गा-बत्तास ताड़ल जाएत या गा -□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □ □ तक □□□ □□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□, □□□ □□□□ □□□□ □□ □□, एकरा त नकारल नाहय जा स □□ जल्दा-जल्दा □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□”

□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□-

“□□□, □□-सप्प □□□ □□□□□ □□□ □, □ □ □□□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ (बातक) □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□जल्ट □□□ □□, अहा अटका लेलौं। दादी-□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□-□□ □□□ □□□”

□□□ □□□□ □□चार श्यामचरणक जचलान। मनम उठलान ज □□□□□ □□□ □□ (पुरुष) □□क्रमण कर □ □ □ □ □□ □□□□ (□□-पद्ध) □□□□ □ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□□

समरूपता रहत त मतभद ाकए हएत। सभ त ब -बच्चा □ □□□□□□क नाक्क चाह ाछए

आगन पहुच दादाक गाड़ लाग □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□-

“□□□, □□□ □□□□□ □□ □ □□□□□□□ □□□, बर , □□□□□ बड़का कम्प्यूट□, □□□ □□ कहा आब □□ □□□ □ □□ □□□ □□□□□□□-डाक्टर □□□ □□□□”

□□□□ □□चार सुान दादा एत अह्लाद □ □□□ □ □□□ सम्हार□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□-

“□□ □□□□□, □□ □□न तू गाबर रहम।”

□□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □ □□नु दातक बूढ़ मुह ाक□ □□□□□ □□ □□□□ □□□-□□□ □□□□□□ □ □□□ □□नु दात ान□□□□ □ □, □□□ □ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□-

“□□□, अहा खुशा भला ाक□?”

“□□□, □ □ □□□ □ □□□ □□□□”❍❍❍

□□ □□□□□ □□□□

□□□ □□ □□

रलब स्टशनक प्रता □□□ □□□□□□ □□□ □□ष्णुम□□□□ □□□ □□□□□□ □□□-

> “□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□ आएल छेलौं तहिना अपने □□ □□ □□□ □□□”

मनस खासत विचारक रस्र बुाध पकड़लक। रस्र □□□□□ □□□ □□□-

> “कान मुह आएल छला आ कान मुह जाइ छा। ह र □□□ □□श्रामालय आ म प्रणाम!”

परापट्टाम बड़ा लाइनक गाड़ आ बिहारक महानगरस जुड़क बाटक चच सुानत लाव, सूतल गाए जका कान पटपटालक □□.□□.□□□ दूरबानक काज शुरू हाइत अन्नक सग कुअन्ना सानक □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ सभक भट भल। जाहना सापक मुह साप च□□ □□□□□ □□□ □□□ शुरू □□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□□ □□, मरूआक छा आ□ □□□□□, □□□□ □□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□-□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□! □□□□□□ □□□, हमरा गाम अहा काज करए एला आ □□□□-□□ □ □□□, □□□□-□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□लाक पावत्र भू □□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □ □ □□□ □□□ □□□त्र बूाइ □□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□-

"□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□, □□□□ □□□ □ □, □□□□□ □□□ □□□□□"

नक्शा बनला पछाति जखनि जमीनक प्रश्न उठल त हजारो बखर मुइलहा जमीन सबहक मुहम स्वता नक्षत्रक अमृत खसल। -□□□□ रूपआक कट्ठा जमीन ह -□□□□ □□□□ □□□-□□□ □□□-□□□□ □□□□□ चाकक निर्माण □□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ हस्तान्तरण शुरू भेल। भेल दु , □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □ □□□-मल बसा टटघरक काठ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □ □, □□□-गामक रस्ता-बाटक सम्पर्क बनल। मुदा गाम-□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□ □□□□

पाँच कट्ठा घराड़ीक जमीनक अ□ इन्द्रम□□□ □ □ष्णुम□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□, □ □ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□-□□□□□ □□ □□ बखाक पानि ध □□□ □□□□ इन्द्रमोहनाक जमीनक हाल सएह हएत। इ□ □□□□ □ □ष्णुम□□ □□□□□ □□□□ □□ताक नाओ कृष्णम□□□□

कृष्णमोहन गामक बगल गामक लोअर प्राइमरी □□ □□क्ष□ छला। आना लोअर प्राइमरी स्व□□□ □□क्षकक एक सामाकन भा □ □□ ज मा□ □ □□ □□क्षक हता। □ कक साटाफकट त कृष्णमोहनक न □□□□ □□□ □□च्चास ऊपर श्र □□□ स्कूल□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□ ज आना स्कूल□ □□क्षा न भेटल रह □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□-□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□द्यार्थीआ □ □□□□□□□□ □□□-□□□□ □□□ □□□□, जकर जावत प्रमाण □□ □ □□□□ □□□□ □□द्यार्थ □ □□□-आन प्रणाम का□ □ □□□□□ □□□□□ □ प्रणम्य □□□□ □ □ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ शुरूमे □□□□□ □□□□□ कृष्णमोहनक न □□□□ □□□□□ □ □□□□ □ □□□

न आना शिक्षकक न रह □ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□□ □□□□-□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □द्याथाक शा॰चरा माफ रहए। तठाम कृष॰□□□□ □□□ □□□□ ज जहन दान तहन न पुन। माफक कारण आथक स्थि□ □□□ □□□ □□□ □द्याथाक सख्य □□ □□□□

दस बाघा खतबला कृ माहन सालहन्ना ॰ -□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□-डारहा जका रहा॰□ □□□□□ □□, □□ □ □□□□ □□□ □ □□ □□, □□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □ □ □□□□, □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□-□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□ प्रमुख ॰□□□□ □□□□ गल रह। आना कृष्ण□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ पूजा लगा उद्याग बनबए चाह □□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ खतक चारस कर॰, □□□□ □□□□□ □□□, □□-जन्तुव उपद्रवक बचाव क , □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□, □□□, □□□□ □□□□ उपजा बढ़ाएब। मुदा तइम कृ॰ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□□-□□□□□ □ □□□□□□□□ □□□□ □□, □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□क पूजाक जरू॰ □□□, □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □ □□□ □□□ न ज टल्ला-□□ट्टास लाक खत सार॰ , □□□□ □□□ □□□ □□ □□□-□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ टकटर सभ बाढ़य काज कर छ मुदा आकर त खचा बसा छह। आना कृष्णमाहनक एत जमान छला॰ □ □□□ □□□□ □□□ □ □□□क प्रबन्ध □□□ □□□□□□ □ □□ □□ □□□ □□□ □□□-□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□! प्रात॰ष्ठाक प्रश्न त रहब करान। ॰ □ □ □□□ □ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□□□ □□□□ □ □□□□□ बटबारा उाचत न छ। खताम उपजाक अदहास बसा बट॰ □□□ □□□□ □□□, □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□ □□

□□□ □□□□ □□ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □ □ □□ □□□ □□ □□□ □ □□□ □□□-□□ □□□ □□□-□□□ □□□ □□□□ □ □ □ □ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□, □□□□ □□□ □ □□□ □□□□, □□□□ □□ □ □□ □□□□ □ □□□□□□ □□□□

कृष्णम□□□ □□ल सन्तान इन्द्रमाहन। इन्द्रमाहनक जन्मद□ □□□ □□□□ □□□-□□□□ □□□□ □□□□□□ □□वारम इन्द्र□□□क □□□□ □□□-□□□ हृदए फााड़ आसरवाद दन रहाथन ज कुलमन्त □□□ □□□□□ □□□□□□

□□□ □□□□ □□□□-ढराइत कृष्णमाहनाक स्व□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ तपर पतालास □ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ दुआर इन्द्र माहनक इमानदाराक सग □□□□□□ □□□ □□□□ □ □□□-□□□□ □□□□ □ □□□ □□ □□ दलाखन। मुदा इन्द्रमाहनक ाडग्र-ाडप्लाम□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ इन्द्रमाहनक अपना बरबार काज न दाख कृष्णम□□ □□न्तत □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □ □□□ □□□ □ □□□ □□□-□□□ □□□□□ □□□□ □, अनका कथा दखत। मुदा एत उपए त कृष्ण□□□□ □□□ □□□□□ □ □□ □□□□□ □□□ □□□, □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□, पन्शन□□ □□-सप्प □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □ हुअ दबह। जइस इ माहनक अपना □ □□□ □□□ □□ □□□ □□क्षकक बटा रहन । वार त प्र ाष्ठत □□□□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□□, ज सरस्वत□□ □□□ भूम स्वग भूम □ □□ □ □□□ □□□ □□□□ दरबज्जाप□ □□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□-जाएब इन्द्र□□□□□ □□□ □□□□ □□□-□□खल रहन गामक लाक इन्द्र□हनक काजक भार □□□ □□□□□□ □□-□□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □ □□□□-ताथ □□□ □□छु जरूरा □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□, ज स न बूझब त लाक अनर कहत ज मार □□ □□□ तास्टर □□ □□□ □□□ □ सालहन्ना न त चाअन्नाआ सत् न रहत त सालह □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□-पत्रा प्रमाण□ आछ मुदा ततबस काज चलबला नाहय आ । जना वायुमण्डलक रूप रखा बदलन मासमक रु -□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□-पत्राक ता -

□□□□ □ □□□□, □□ □□छु आरा पढ़क जरूरात आछ। इन् माहनक मनम □□□□ □□□ □□□□□, □□□□□□ □□□□-□□□□□□ □□स बढ़ल। मुदा प्रश्न फा □□ □□□ □□□-□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □, □□□□ □□□-□□□, □□□□□-□□□□□ □□ □ □□□ □□□□ □□□-□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□, □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ जका भ□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□-मट्ठा भल मनम इन् माहनक उठल □ □□□ □□-□□□ □□□□□ □□□ □□□-मट्ठ, □□□ □□□ □ □□ □□□ □□ पाब जाइ। सबहक मद्दा ' □ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ ाणए क□ □□□ □ □□ □□□ □□□ □ □□□□□□ □□ बाका ाब□ □□□ □□, □□ □□□ लाकक कहब। ज मन फुड़त स माा□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ धक्का लगला □ □ □ □ □□□□ □ □□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ कथा अनन्ता □□□ □□□-□□□ □□ □□नगाक रामरा बना सामाजक लाक इन्द्र□□□□ □□□ □□□

□□□□□ □□म दस बखक बाच □□-कृष्णम□□□□ □□□□□□ उछाल एलान। पाच सन्त□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □ □□ □□□-इन्द्रमाहनक ाब□□-□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ दासर गामम हाइस्कूल□ □□□ □□ष्णुमाहन मा□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□□-एक पतालास रूपआक काजक म□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□क्षा लल हृदए खाा □□□□न। एत जरूर कल कृष्णम□□□ □ □न्द्रम□□□□ □□□ □□□ □□□□न। साझमातया इन्द्रमाहनक प्रश्नक उत्त □□□ □□□□□ □ □□□□□ □□ □□□□-

> “□□□□□ □□□-□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□-मयादा त अपन बनबए पड़त। स त अनक □ □□□ रहल आछ। एत हल्लु□ □□□ □ □□□□□□ □□□ □□□, □□□

□ □□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□ □□□□ गााड़ सामाकन क□ □□□□"

□□□□ □□ताक उल्लासक प्ररणा आ सहयाग □ □□ □□□□ □□□ □□ष्णुम□□ □□.□□.□. □□□□ □□.□□.□. कला पछाात बकक मनजरक ग्रजु□ □ कन्या □□ □□□□ □□□ □□जन जका बन्हाए□ □□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ क माणपत्रक -□□□ □□□□ □□□ □, □□□ बक-□□□□□□□ □□□ □□त्र ानमाण भन □ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□। नाकराक आश्वासनपर ष्णुम□□□ □□आह कृष्णम□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ष्णुमाहनक भापालक बकम □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□

□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□□ □□ गल रहान। इन्द्रम□□□ □□□-□□□ □□-□□□, □□□□-□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□

असगर दरबज्जापर बसल कृष्णमाहन पत्नाक सार पाड़ल □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□-

"की कहलौं?"

□□□ □□□-□□□-□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ना कृष्णमाहनक ास्थात छान्ह□ □□□□□□ □ □□□-प्रात ष्ठा □□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ दरबज्जाप□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □ □□□□ □ □□□□ □□□□□ अपन ाबमाराास ग्रासत छा जत □ -□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□ इन्द्रमाहनक कान्हप□ □ □□□ □□□ □□□ए आ कना सम्हा□□ □□□! □□□ □□□ □□□ □□□त कृष्णम□□ □□□□-

"□ □□□ □□ष्णुमाहनक नाकरा भना □□ □□, □ □□□□ □□□ □□□ □ □ □□□□□□ □□□-□□□□ □□□□□ □□□...?"

□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□-

"□□□□ सामथ छल ताधार अपना जका पार□□□ □□□, □□ आब न आ सामथ रहल आ न शाक्त, □□□ □ □ □□ □□□ कान्हप□ □ □□ □□□□ □ □ □ □□ □□□ अन्हर□□ □□-बापक ताथाटन कना हएत। तइल त श्रवणकुमारक पराछा □ □□□ □□?"

पन्नाक चार कृष्णमाहनक जचलान। दुनू बकताक बाचक बा तए न इन्द्रम□□ □□ □□□ □□ □□ □ □ □□□□ □ष्णुमाहनक पत्रक माध्यम□ भट करए कहलाखन। एबास विष्णुम□□ □□□□ □□□□

□□□ □□□□□ □□ □ष्णमाहनक अपन कलहाम दाख भट□□□ □□□ □□-□□□ □□ □□□ □□□-पछात आठ बखक बिच □□ □□□ □□ □□□

अखान धार दुनू भयारा इन्द्रम□□-□ष्णुम□□□ □□ □ □□-□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□ गल ज समकक्षपर □□□ □□□□ सम्बन्धक □□ □□□□□ □□ □□-□□□□ विष्णुमाहनक □□ □□ □ □ अपन सालक छुट्टाए हरा जाइ छ।

□□ □ष्णुम□□□ □आहम कृष्णम□□ □□-□□□□ □□ □□ बकम □□ □ □□ □□□, □□ □□ □ष्णुम□□□ □□ □□-□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□ गल छल आकर हकदार त बानय ग □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □ष्णुम□□ □□□□, □□ □□□□ □ □□□ □□ □□□ □□ □ □□□, □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □नगाक उपयागा वस् □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □ष्णुमाहनक तना भ□ □□ □□ □□□ □ □□□□ □□□ □ □□□□ □□, □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□, आथक स्तर□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □छु आवश्यक वस्तु□ पूात सासुरस भाइए गल रह। ज ना ग्रान □म पात्र अप , सात्व□

□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□, □□□□ □□□ □□□□ स्टाे□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□ष्णुमाहनक सएह भल। एक त आहन पार□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ष्णुम□□ □□□□ अनुभवा पन्ना। आना र □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□, कालजक छात्रा रहला मुदा प वारक □ □□-□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□□ □□□□, □□□ □□□□□□ताक छत्रछायाम रा □ □□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□ □ □□□□ □ □□□ जनाइ आछ। आन घरक □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ ानभर करए तपर। जाह□□ □□ शाक्तक हाथम राख करए चाहए ताह□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □ □ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □ जाहना सभ आगू बढ़बक उाचत उद□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□□ जखान ऊपर श्रणाक सुआगत म□ □ □ □□□ □ □□□□ □□ □□? भलाह अपमान न कहब मुदा सुआगता त नाहय भल। □ वारक डारक रखा ए तरह पातक खाच धाक□□ □□ □ □□ष्णुम□□ □□□-□□□ □□□□ लगल। एक त बकक नाकरा समपर आाफस पहुचब आ , □□□-□□, रस्ता-□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□ □□□□ □□□ □□ □□क सम्पाद□□ □□□ □□ □ □□□□क्त □□□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□, □□ष्णुम□□□ □□□ □ □□□□□ □□□

नाकराक शुरूक सालम ष्णुम□□ □□-□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□-□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□□ □□-□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□स्था□ □□□ □□ □□□ □□□□ □ □, सालम मात्र पचास नक छुट्टा □ , जकरा छुट्टा न मानल जाइ छल। एक त गामक □ , □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□, □□□□ □□□-सवाराक रस्ता □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□-छाट बच्चा□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ छल ज भरपुर उवर छल। □ □□□ □□ □□□□□ □□□वारक सम्बन्धाक सग सम्बन्ध □□□ □ □□□□ छल बकक सगाक सग। दुनूक बाच एहन उत □□ □□□□□ □□□ □□□

□□ □ □□□□ □□नक छुट्टाक पत न पाा □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ दुआर इन्द्रमाहन पत्रक माध्यम□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□च्छाबलाक रग-□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ष्णुम□□□ खप जाइत छल। ए तरह पनरह बरख बाात गल। आना पनरह बखक □□□ □□ष्णुमाहनक डराम व -□□□, इलक्ट्र□□क वस्त्, वतन-□□□□ इत्याा□ □□ □□ □□ □□ □ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ जका □□ □□□ □□□ □□□□, □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□- □□□□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ बनाएब जरूरा भल। □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□-रहस्य □□□ □ □□या तान तल्ला-पच तल्ला□□, □□□ □□□ □□ □□□!

□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □ □ □□□ □ □□□□-□□□□ □□ड्ल स्व□□ □□क्षक दस □ □□□ □□चार मध्य प्रदशक क □□□ भापालस यात्राक आरम □ □□□□ □□□□□ □□□ ावष्णुम□□□ □□ □□□□□□ नाहय हतान। तसग इहा ावशष ज्ञासा ज तान सम्बर □□□□ इस्वा□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□-□□□ □□□ □□□ □□□□□

दसा गाटक बच भापाल स्ट□□ □□□□ □□ष्णुम□□□क □□□ □□□□-

"□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□"

□□□□ □□□ □□□ □□ष्णुम□□□ □□□□ □□□□□-

"अखान हम भापालस अस्र □□□□□□□□ □□□ □□त्रक एठाम छा। बकक डायरक्टर□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □ □□□ □□ □□□□□"

□□□ □□□ □□क्षक ा ड्ल स्व□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□-मंझ भेनौं अपनामे एकमत सेहो भाइए □□□□, □□□ □□□ध घटा घमथनम चालय जाइ छलान। ाव □□□□□ उत्तरक प्राा क्रिया भ ? □□□□ ाशक्षक□ □□□□□-

“अस्सा □□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□, □□□ □□□□ □□□□ □ □□ □□ □□, सहा कहा कलक।”

□□□ □□□ □□□-

“□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□, बड़बाढ़या ाविष्णुम□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□”

□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □ □□□ □□-□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□, सभक अपन-□□□ □□□□□ □, □□□-□□□ □□□ □□

□□□□□ □□□□ □□□-□□ □□ स्टइ□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ टम्पू □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□सम्बर उन्नस सए चारासा इ□ □ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □ अगस्त □□□□ इस्वाक जापानक □□□□□□□□ □ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □ □□□ □□□ तक लु□ -नगराक जनम हाइत रहल ताहना न भापालाम भल। स -स्तूप□, अन्नपूण □□□□ □□□, □□प्रा तट (□□□□□ □□□) □□□ □□, □ तीन सए मीटर गहींर छै, भेड़ाघाटक चौंसठि □□□□□ □□□, दुगावताक सग्राहाल□, □□□ □□या ज नमदा आ सानभद्रा नदाक उद्गम स्थल □□, □□□□□ □□□-□□□ □□□ □□नक छुट्टा बाात गलान। स्व □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□

□□□ □□□ □□□□ □□ष्णुम□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □ □ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □ □□□□□ प्रमा कचड़ा घाउक आाक तलक ला□ □□□ □□□ □□□□ □□□-□□□□ □□□ प्रणाम कारत शा□ □□□ □□□ □□□ अपन रूप सजबए □□ □□ष्णुमाहनक बवहारक □□□ □□ □□□ □□□ □ □□ □ □□□ जका □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□, खनाइ पूात करत। एक □□ □□□□□ स्वर □□-□□□ □□□□ □ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ आकरा सग समाज आहन बवहार करत। जघ□ □□□□□ □ □□□□□

□□□ □□□□□ □ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □ □ □□ष्णुम□□ □□□□□ □□□□□ □□ष्कृत □□ □□□

जाहना जठुआ बखा भन माछक अवार चल छ ताहन .□□ □□□ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ इन्द्रन□□□ □□□ □ लूटब करता। मुदा स न भल। पाचा कट्ठाक घराड़ाम अढ़ाइ कट्ठा पड़ □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □ □□□□ तपर घर। नच्चा □□□□ □□□ □□□□ □□, □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□काएल। कराब दू कराड़क सादाम सबा कराड़ इन्द्रमाहनक हाथ □□□□□

□□□क सभ काज सम्पन्न भला पछात ष्णुमाहनक उड़न्ता □□□□□ □□□ □□□□□ □स्सा, तहूम मरासा जमान। तसग इन्द्रन□□□□ सबा कराड़ पाच कराड़ बा □□ □□□ □□ □ □□ □, न त बक □□□ □□□□□□ □□ जाइए। जइम रूपआक ढराए रह छ। तान □□ छुट्टा □□ □ष्णुम□□ □ □□□ □□□ □दा भल ज पहुाचत भयाक कहबा□, बााट लब। न त समाजक बसा बटबा लब। एक त आहना ब □□□□□, □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □ष्णुम□□□ □□□□ □□! तपर पाच कराड़ सु मनसूबा आरा बढ़ालक। जाहना पन्न □□□ □□□□ □□□□ □□, □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□, बकक सहाएब गा□ □ □□□□ □? □□ □□□□ □□□ □ भापालम बकक सहाएब बनल आइ, □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□-□□□□ □□□ □□

□ □□□ □ष्णुम□□ □□□ □ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□-□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ रगक गदहा। जत्ता उठबस आ माटक मशान धार दसटा गदहाक मन□ बना दल जाइ छ आ पहाड़ा क्षत्रम पाथर ल □□□□ □□ □□ □□□ □ समाजक नारा पकड़क थमामाटर बनाएब सहा □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□-□□□□ □□ □□□ □ □□□□-□□□□□ (□□) □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□-□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ □□ □□□

□□□ □□□□ □ □□□ □□-प्रातष्ठा □□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□

विष्णुम□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □ष्णुमाहनक अनभुआर जका बूझ पड़लै। मनमे उठलै जइ समए पढ़लौं पि□□ □□ खचम भ□-इन्द्रम□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □स्सा छलान्हह। मनम उठत जना कम्प्यूटर □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□, □□□ □स्सव□ □□□□ □□याम अपन हिस्सा □ □□□□ □ □□□, पाच कराड़ सुनल, □□□ □□□ □ □□ □□ □□□□ □□ करता आ सप्पत □ □□ कहता तया तान कराड़स ानच्चा नाहय हएत। □□-□□ □साबक गरा अटबत आ टम्पूर रस्ता □□ □□□□

दरबज्जाप□ □ष्णुमाहनक आब□ □न्द्रम□□□ □□□ □□□□ □□ विष्णुम□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □न्द्रमाहनक प्रणाम कलक □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ना इन्द्र□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □ □□□□ □□ □ □□□ □स्सा □□ □□□ जइ भाएक पढ़लव, □□□ □□ □□ □□ □□□ □□वारक दखलक। □□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□□? □□□ □ □□□ □□-□□□ □□□, □□□□ □□□□

□□-□□□ □□□ □ष्णुमाहन इन्द्रमाहनक पुछलक-

"□□, □□.□□.□□ □□ □□ □□?"

पाइक नाआ सुानत इन्द्रम□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□-

"□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ आगूएस तना काट गल ज घराड़ाक रूप गााड़ दलक। बान्ह □□□□ □□ □□□ □□□ □ □□□ □□ □□□ □ □□□ □□□□ □□ □ □□, □ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ घर बनबत खच भल।"

□ष्णुम□□-

"सभ खच क□ □□□□, □□□ □□स्सा?"

इन्द्र□□□□-

"□□□□ □□स्सा त छब करह। पाच कट्ठा घराड़ाम अढ़ाइ क □□□, □□ □ □□□ □□ □□□?"

"जत पाइ अहाक भल आत पाइक चाज रहल।"

"□□□□ □□□-प्रलए आहना हाइ □, □ □ □ □□□ □ □□□□ कट्ठास कम थाड़ □ □ □□□"

ावष्णुमाहनक मनसूबाम धक्का लगल। मुदा उत्तरा त ह क नाहय □□□ □ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□-

"□□□, इहा त नाक नाहय भल □, नाक अहाक भल अधला □□□ □□□ □□□"

बुझबत इन्द्र□□□□ □□□□-

"□□□□ □□□□□ □□□ □□□, □□ □□□ □□□□□ □□□ □□ छ। तठाम ज सतक □□ काज नै करितौं आ बुड़ि जाइत तँ □□□ □□□□"

"हमरो तँ जानकारी दइतौं?"

"□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ आहन भारा भुमकम भल ज घरक दबाल -बाइ □□ □□, □□□ □□□ □□□ □□□-□□□□□□ □ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ लेलौं जे सभ तूर संगे मरब। कि□□ □□□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□, □ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □ □□□□□"

□□□□□ □□□, □□□□ □ □□□ □□ष्णुमाहनक क्राध जगल। बाज□ -

"□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□!"

□□ □□□ □□ □□ इन्द्रमि□□ □□□□ □□ गल। बकार बन्न ' □ गल। मनक बथाक मनम मसाार मा□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ गोंति परि□□□ □□-□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □ □ □□ □□□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□न सम्बन्ध □ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□या गामक उत्पा□त पूजा खड़का उत्पा□□ □□ □□ □□ □□□□ □□या बकम सूादपर लगा दइए। मुदा वष्णुम□□ □ □ □ □□□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□-□□ जगह बदलब स्वा□□□ □□□ □□ना इन्□□□□ □□□ □□□, □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □ष्णुम□□□ □□ □, □ □ □ □ □□□ □ □□-□□□□ □□□□-□□□□□ □□□□ □□□□-भुातयाएलक का हबा चाहा। एक त आहुना बारह बखक हराएलक □□□□ □□ □□□□ □□ □□□, □□ष्णुम□□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□, जरूर ६ , □□ □□□ □□नगाक सम्बन्ध कहा □□□□ □ □□- □□□ □ □ □□□□ □ □□-बच्चा□ □□□-□□□□□ □ □ □□-□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□, □□□□ □□ अस्तु□□ □□□ कश कटा मुड़न करला। आकरा बटा छ लाखस ऊपर खच कलक अपन बटा पनरह बखक उमरम म क पास कलक आकर दस बखम कालज पहुच गल। जत इन्□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□ आझराठमम पड़ल जाइत। अन्त□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□स्सा-बखड़ाक प्रश्न उठत। जाधार स न □□□ □ □□□□ □□□□ □□□-

> “□□, □□□□ □ □□□□ □□ □□ □□, □□ □□ □□ □□□□ □□□ □ □□□ □ □□□रक □□-□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□, □ □□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□ □?”

□न्द्रम□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ष्णुमाहनक न भल। जाहना □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □, □□□ □□□

□□□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□ष्णुम□□□ □□ □□□□ □□□□□□ करत। दजना नवका गाड़ा काा□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□वहन समाजम त अपन उपास्थात दज कराइए □□! □□□ □ □□□□-□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ मनुखक डाारद □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□-

“□□□, □□ □□चारस आएल छला आइम अहा बाधा उप □ □□ □□, □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□”

□□ष्णुम□□□ □□चारक स्वाकारत इन्द्र□□□ □□□□-

“□, □□□□□”

□□ष्णुम□□-

“□□□□?”

“□□□□□ सामुाहक रूप प □□□ □□□ □क्त□□ □□□□□ □□□□□ रूपम बदाल जाइ ा, □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□”

□□ □□□□□ □□□□ □□-□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□क रूपम दुनू □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ष्णुम□□ □□□□-

“□□□, सभ दिन आदर करैत एलौं, □□□□ □□ □□ □ □□□ पाारास्था□ □ □□□ □□□ □ □□□-पुालस दरबज्जा□□ □□□!”

ावष्णुम□□□ □□त सुान इन्द्र□□□□ □□ मुस्का□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ट्टा दुस नाकबलाक। आदर करए आा □□□□□ नाक कटा दलक ज समाजक प्रवुद्ध वग घुमल गला आ चार जका गएब □□ □□! सएह आदरक बात करए। छाट भाएक □ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□-बच्चाद □□स्साक जकरा पाछू गमा दला सएह आ □□ □□□ □□□□ □□□□□-□□□□एल ज अनठाआ दरबज्जा□□ □□□ □□□ □□□ □

□□ □□□ □□□क आग्रह का □ □□□□ □ □□□□□□ □□ □□ □! □□□ □□□□ □□□□ त अपन महत राखत आछ। नाक हएत ज समाजक मान □□□□क समूह □द□ □□□ □□□□ □□□□-

“□□□, □□□-□□□□ □□□-□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□-□□□□ □□□ □ □□□□, □□□ □□□□ □□□ □□□ □□स्साम रहत। वृ -ववा जका कतए जाएत। नाक हएत ज जा□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□, □□□□ □ □□□□ □ □□□ □□□”

इन्द्र□□□□□ □□□□□ □□ष्णुमाहनक जचल, □□□□ □□□□-

“□□□ □□नक छुट्टाम आएल छ , का□ समाजक बसा पाइ-□□□□ □□स्सा बाट □□□”

□□ष्णुम□□□□ □□चारक इन्द्रम□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ष्णुम□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □ □□□ □ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□-□□□□ □□□□ □□ □ □□□□-□□□□ □□□□ □□□□ □□वाद छा पच्चास प्रा□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□-कचहराक भाजम जाएब बूड़बका हएत □□□□□ उड़त □चलहार जका ऊपरस □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□□□ □□□-□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□-□□□□ □□□बारक। सम्हा□ □□ □वष्णुम□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□

हाइ स्कू□□ □□ सूय□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ सूयमाहन □वद्यालय जबाक तयारा □□□ □□□□□ □□□□□ □□□-□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ष्णुमाहनक दाख□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□? मुदा मुहा घुमाएब त नाक नाहय। ज कहा अपन आ□ जका बूझ □लअए ज फल्ल □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□-

“□वष्णुम□□!”

□वष्णुम□□-

“□ □□□, □□□□ □□□ □□□□”

□□□ □□□ सूयग□□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□-□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□ □ □□ □□□-□□□□□ □□ □□, □ □□ □□□□□□ □□□ □□ □ □ □□ □□□□□□ □□, □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□, □□□□ □ □□□□ □□□□ चच उठाएब त अनर अपन काज धाकया क□ □□□□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□-□□□ □□□ □□ □□ काजक खुटखुटात। अटाबश कर□ □□□□-

“अधखरूआ नहाएल छ, ताब दरबज्जा□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□”

सूयग□□□□ □□□ □□□ □□ष्णुम□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□-□□ □□□ □ □□□ □□□-□□□ □ □□□ □□□, □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ जौं □ □ □□□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□□

दरबज्जाक आसारपर रखल कुरसापर बस □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□-□□ □□□□□ □□ □□□ सूयग□□□ □□□-□□□□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □ □□□□-

“□ □□□ □□, □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□”

सूयमाहनक बात पन्ना सुान □ □□□□ □□□□□□ सूयग□□□ □□□ गला ज समाद पहुच गल। मुदा ाबच्चम □□ष्णुम□□ □□□□-

“□□ □ □□□□, अखान खबाक इच्छा □ □□□□”

ावष्णुम□□□□ □□□□ □□□ सूयग□□□ □□□□□□ □□□□-

“□□□□ □□□□ □□□□”

□□□ □□ष्णुमाहनक पुछला□□-

“□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □ □□□-□□□ □□□ □ बिच्चम □□ □□□।”

□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□ □□स्तर □□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□त रचनाक भूमिकाक प्रयोजन न बुझत त □□ □ष्णुम□□ चाहद्दा बन्ह□ □□□□-

“□□□, अपन सभ त एक्क हाइ स्क □ □□ □□□ □□, □□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□ □□□।”

□ष्णुमोहनक बातक अर्थ नाक जका सूर□□□□ □ □□□ □□□□□ □:प्रयोजन बूझ □□□-

“□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□?”

विष्णुम□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ सूयम□□□□ □□□ □□□□□, □□□या कतए हाइ स्कू□□ □कललौं। तैबीच गंगा धारक केते पानि □□□ समुद्रम चार □□, □ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□-□□□□□ □□□ □□□□ □, □□□ □□□□ □□□□□ □□□ गेलौं, □□□□□ □ □□□□□ □□ □□, □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□न। पराछाक वारानग घटा जव □□□□-

“□□ □□ □ □□□□□ □□ □ □□□, □ □ □द्यालयस आएब □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□।”

□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □ष्णुम□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ष्णुम□□ □□□□-

“□□□, □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□।”

□□□□□ □□□ सूयम□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□-

> “हम कि काना गामक पच छा। हाइ ्लक शिक्षक छा □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □, □□□ □□□□□□ □□ □□”

विष्णुमोहनक बुझम दरा न ट□□ □ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□-

> “□□□, तीनिय दिनक छुट्टीम आएल छ , □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□, तए चाह छा ज जल्द□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□”

□□ष्णुम□□□□ □□चारक ठलत सूयम□□□ □□□□□□-

> “□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ हम सगा छिअ तए एत गछ छिअ ज साझूपहरक समए दबह। □□□ □□□□□ □, □□□□ □ □□□□□ □□□ □□□ हुनका सभक □□□□ □□□□□”

सूयमोहनक विचारक अपन समस विष्णुम□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□, सबहक सगार त असान नाहय आछ। मुदा ज □□□ □□□□□ □□□□ □ सूयमोहनो कहीं छिट□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ सूयम□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ आसारक निच्चा □□ □□□□-

> “□□□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□ □□ नाक जका कान-□□□ □ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□, □ □□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□, □ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□, □□□□ □□□□ □□□□□□”

□□□ □□□□□□□□ □□□ सूयम□□□ □□द्यालय । □□ □□□□ सूयम□□□□ □□□□□ □□ष्णुम□□नक जत नाक ल□□ □□□□ □□ □□□ □ □□□□□ □□□

उपया त दासर नाहय [illegible] दुनू भाइक [illegible] झझाट आछ ज अनर समुद्र उपर , [illegible]

[illegible] सूय[illegible] गल रहान। एहन लाकक [illegible] आछ जकर बाहरा आमदना कराड़क न छ। एक त दवा प्रकाप दा[illegible] मनुखक प्रकापस उजाड़ रहल आछ। तराटा जात जका माटपर कालम [illegible]

[illegible]ष्णुम[illegible]हनक बढ़त दाख इन्द्रमा[illegible] जका [illegible] सूय[illegible]हन मास्टर [illegible]-सप्प [illegible]याक बातपर इन्द्रमाहनक सालहन्ना बिसवास भ[illegible] , मुदा अपन आरा मजगूता दुआर आहा रस्त [illegible] सूय[illegible] इन्द्र[illegible] इन्द्र[illegible] सूय[illegible], मुदा विष्णु[illegible] सूयमाहनक साझहास हाटत इ[illegible] जका टनटनए लगल। टनटनए इ लगल ज भापालस घुमला पछात भ[illegible] ढाका विष्णुम[illegible] सूय[illegible] चुकल रहान। ज दुनू भाइ दू छेलौं तखनि अनकर उपराग हम किए सुनी। मुदा जँ अपन समाजक [illegible] अधला वृ[illegible] प्रवश [illegible]ततुल्य [illegible]न जघन्य वृ[illegible] जाए ज माफा मगक जरूरा [illegible]ए न माग [illegible] मागब थाड़ छा ज कलक लागत। भिक्षाट[illegible] , [illegible], तहूम नवकवाड़याक त [illegible]

सूयर□□□ □□□□□□ □□□□□ □ष्णुम□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □ □□-सप्प □□, □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□-□□□□ □□ □□□□ □□□, सहा भाज लाग जाएत ज स न बाजल हता त अप □□□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□, □ पक्षम बाा □□□ □ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ आगूआक दुआरम धक्का माा □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□-

"□□□□, □□□ □□□ □□□□, □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□"

□, □ □□□ □□छु बजन श्या□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□, □□□□-□□□□ □□□□-□□□□□□ □□ □□□□□, □□□ □□-□□□ □ □□□□□□ □□□-□□□ □ □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □ □□□□। मुदा अग्रजाया दह त सझहाम र करान। मुदा इ सभ त कमक खल छा। जहन जगह रह छ तहन न कमा खल छ। चाह बान □□□ □□□□□ □ग्रह श्य□-□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□-□□□ □□□ □□□ □□□ □ □ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □ □ □□□-□□□□ □□□□ □□ □□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□, □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□

□□□□ □□स्का □□□□ □□ □□ष्णुम□□□ □□□□-

"□□□, □□□□□ □□□□"

"□□□ □□□□□□?"

"स अहा न सुनालए?"

"□□□□□□ □□□ □□□ □□□?"

□□□ सूयर□□□ स्व्लस आाब साझ पाड़त इन्द्र□□□□ □□□□ □□□□ तयार भला मुदा पाहल साझ अकलबर हाइए तए दासर र □□□□

पहुचला। दुनू भइ दरबज्जप□, □□□ □□□-□□□ □□□ □□ □□□ □□-□□ □□ □□-चाउर मुहम रखन हुअए। दरबज्जाप□ □□□□□ सूयग□□□ □□□□-

“हमरा होइ छल जे पछुआ गेलौं, □□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□ □□□ □□ष्णुम□□□?”

ावष्णुम□□□-

“□□□□ □□या न आता। अहा जखान आबए गला तखान □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□”

ावष्णुम□□□□ □□□ □□□ सूयग□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □ □ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□-

“□□, □□□ □□, तहूम ाशक्षक छा। गामक काना जवाब □□□ □ □□, □□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□?”

ावष्णुम□□□-

“अहाक त बुझल हएत ज ए .□□.□ □□-□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□, तइम भया ाहस्सा □ □□□□□”

ावष्णुम□□□□ □□□ □□□ सूयग□□□ □□□□-

“इ त अहाक बात भल। इन्द्रमाहन अहा बुझा ादअनु।”

इन्द्रग□□□-

“□□□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□ ओकर संचालन तँ हमहीं करैत □□□□□ □□□□□□ □□ष्णुम□□□ □□□ □□□□□ □□□यास एक्का पाइक सहयाग न कलक। -□□□□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ खेत बनेलौं, □□□□□ □□ □□ड़ीचोंत भ□ □□, तकरा बन्हलौं, □□□-□□□वारक ाजआ क□ □□□ □□ □□□□ □□स्सा □□□□ □ □□स्सद□□□ □□□□?”

जलाएल प्रश्न दाख सूयम□□□ □□□□-

“हम समाज छा कखना न चाहब ज समाजक नाकसान हाइ।”

सूयमाहनक ावचार सुान इन्द्रम□□□ □□□□-

“एक त सबा कराड़ रूपआ भटल तइम १ □□□ □□ बनेलौं। □□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ बरख अभाव न हएत। एत करम सभ रूपआ सा □□□”

□□□□ □□ ावष्णुम□□□ □□□□-

“अहा झूठ बज छा? पाच कराड़ रूपआ भट ?”

सूयम□□□-

“□□□ □□ □?”

“□□□□□□ □□□”

ावष्णुम□□□ □□□□□ सूयमाहनक नाक न लगलान। बजला-

“□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□, तखान गामक सम्पा□ □□□□ □□□! □ □□ □□□□ □ □□□□□ □□ □ □□□□ □□-ाबरगक जालक माध्यमस गामक सम्पा□ □□□□ □□□ □□□, □□□ □□□□-□□□□ □□□□□ □□□, □ □□□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □ □□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□”

आशा ताड़ ावष्णुम□□□ □□□□-

“□□□□ □□ □□□□ □□□ □□?”

सूयम□□□-

“□ □□□ □□□□□ □ं□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□”

तसर ादन ावष्णुम[illegible] ❍❍❍

[illegible]

□□□□

□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□-पाच मास छाट हता मुदा तहन लछ-□□□ छान्ह □ □□□□ □□□ □□□ □ □□जन सभ भाय कह छान्ह, □□□□ □□□ □□ □□□□□ न भट हाइक कारण इ न छान्ह □ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□। आन भयारा जका सहा नाहय छान्ह □ □□□□ □स्सा-बखरा लल कन्हाम □□□ □□□□ □□□□□ □□□□[3] धन रहता। भल इ छान्ह □ □□□□□□ □□□[4] □□ □□ □□-□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □ □□□□[5] □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□, □□□ □□□□-□□□□ □□ □□ गलान। कम भन भ-घाट कमब □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□-□□□□□ □□□□□ □□ □□□ मगए ताहना नव काजा गत आछ। दाहरा माग भन रूाटग बद □□□□ □□□ □□□□□ □□त मनम उठल ज आन जका त □□□□□ □□□ □□□□, □□ □□□-□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ स न कह छान। आशाक आसाएल आसक बून जका -□□ □□ छान्ह। □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□ □□□ □! तए अनर मुहा लटकाएब नाक नाहय हाइए। मुदा स हार□□ भायक न रहान। जना रस-□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ स्था□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□□□□□-

> “□□□ □□□, बहुत दिनपर भेटलौं अछि□ □□ □□□-□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□”

---

3 □□-□□□□□

4 □□□

5 □□□□□ □□□□□

जाहना हल्लुक फूलम फल्लुक फड़ फड़ए ताहना आहा ानावकार उत्तर दला· -

> “□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□-□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □ तइस छुट्टाए न हाइए ज कता टह -□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□”

हारनाथ भाइक ाचक्क[6] बात नाक जका न बूाझ पला। मु □□□□ □□ पुछबा कना कारातयान। अखान त भटक ऊपरक साढ़ाप □□, □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□-□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□-□□□□ □□□, □□-□□□ □□-□□पाहा रह छ। मुदा इहा त मनक हारब □□□ □ □□□□ □□□-□□ □ □□□ पेलौं तखनि □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □ □□□ □ □□□□□□ □ □□□□ □□च्चा □□□□ □□□ □□□ □□□□□, □ जाड़ए न पकड़ाएत तखान ाबच्चा □□□□ □□□ □□ □□□ □ □□च्चाए □ □□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□? □□□□-□□□□□ □ □□□ □□

□□□-□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□, □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□-सप्पम तहन घुच्चा □□□ गल ज खसक □ □□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□-

> “□□□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□नक पछाातआ अहाक मुहक चुहचुहा न ाचहकल आछ।”

जना ानावकार □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□-

> “□□□ □□□□□ □□□ □□□□, □□□ □ □□□त्व □□ □□ □□ पाछू लगल छा। जहा धार सभव ३□ □□□, □□□ □□□ □□□ ाचन्तास □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □ □ □□□ □□□, □□□ □न्तन-□□□ □□□

[6] □□□□□

□□न्तवा □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□, □□□□ □ चिन्तामुक्त □□□□□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□ □□□□□"

□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □ □□□□□□ सम्बन्ध □□□□ □□□, □□□□ □□□□-□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□-

"□□□□□□□ □□□ □□ □□□?"

परिवारक नाओं सुनिते जेना हरिनाथ भाय चौंकला। हलसैत □□□□-

"□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□, सुन्दर□□□ □□□ □□□□ □□□, गामपर चलह कलकातया बिरू □□ □□□□□, □□□□ □□□□□□ □ □□□-सप्प □□□□"

□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□नस सुन्दरलालस भटा न भल, □□ □□ जाएत। मुदा नमहर नचानयाक □□□ □□□□ □ □□□□□ □□□ □ □□□□ बस्तरा □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ बजलौं-

"□□□, □□□□ □□□ □□□नवाार टाल जाइ छा मुदा सुन□□□□ □□□□□□ □□, □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□, □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□"

□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□-सप्प □□-□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□-

"□□□□ सुन्दर□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□-बच्चा सभक आत पढ़बत हए□?"

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □च्चम □□□□□□ □□□ □□□□ □□□-

"सगतुारया जका तारा बुझ छ, □□□ ाकए एना अनाड़ा जका □□ □□□"

□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ सुन्नर बात □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □ □□□□□ फर साचला ज दरबज्जाप□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ गाए जका दुहस पाहन लथारस डाबा फाड़ा लब तखान दूहब कथाम मुस्का □□ □□□□□ □□-□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ना बजलौं-

"□□□, ाबस्कुट □ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□"

जना हारनाथ भायक ठारपर बरा पकत हान्ह □□□□ □□□□ □□□□-

"□□□याक जुड़त मरूआ राटा त खार कत □ □□□□"

□□ □□□□ □□□□□□-

"कहलौं तँ बेस मुदा ईहो केहेन हएत जे नै पचैए सएह □□□□□"

जहिना बजलौं तहिना ओहो लोइक लेलनि। बजला-

"□□□□ □□स्कुट, चाह त पाबक वस् □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□"

गपक रस पाबि बजलौं-

"□□□-□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□-□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□-□□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□ □□-□□ □□ □ □□ □□□□□ □□□□ □□□□"

घर लग एन मनम भल ज रस्ताक गपक ाबराम दब नाक हएत। □ □□□ □□□□, □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□, जँ कहीं □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □ □□□ अथक अनथ भ□ □□□□□ बजलौं-

"सपारवार सुन्दर□□ □□□ □□□ □□□ □□□□?"

[illegible]-

“[illegible]”

[illegible]-

“[illegible]-[illegible]”

[illegible]-[illegible] मुह न बाज बजला-

“[illegible] रघुवारक दख छा एजसाक नाकरा , [illegible]म्हरास िकम्ह[illegible] [illegible]-पाच खप चाल अबए। मुदा सभ िक रघुवार छ [illegible] छुट्टा एकबर गामम [illegible], [illegible]-[illegible] आबए। मुदा सुन्दरलालक अपन ढाठा छ। दस िदनक दुगा पूजाक छुट्टाम सभतूर अबए आ अनािद [illegible]”

[illegible]लाइत रूपम कुदत ताहना पटम [illegible]-[illegible] जत त नाआ लगात ज फल्ल [illegible] फेर मन हुअए जे जँ कहीं दुनू भाइक िबच्चम सम्बन्धक प्रश्न राख िद[illegible] [illegible]सा नाक हएत। मुदा फर हुअए ज सबहक कादन रूपआ करए। जँ कहीं पाइ-काड़ाक चच भल आ िव[illegible] फल्ल [illegible] दुनू भाइम [illegible] फल्लम्मा घर फाड़ दलक! [illegible], जाब सत् न आत ताब चतनक चतन कना कहब, [illegible]

□□-□□ □□□□ □□-□□□ □नन्द □□? क्षाणव! □□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □ □□नाथ भाइक रस्त□ □□□ □□□-□□□□ □□□ □लौं। दरबज्जाप□ □□□□□ □□ना घाड़ाएल मक्खन □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□

दरबज्जा □□□□□ □□□□□या अखड़ चाकापर सुन्दर□□ □□□□ □□□-□□□क मान दुनू भाइक ब -बटाक गाल-□□ □□□ □□□□ □□□ □□□। रूमाल चार जका गालका माल □□□ □□□ □□ भताजाक पुछत □□□-

“बुच्चा, □□□□ □□□□□ □□□□?”

आाख उठा चाार बखक राना म -□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□, □□□□ □□ □□□ □□□□□, □□□□ □□□ □□□□, □□□ □□□ कह छाथ ात्रवणा आ चाचा जमु या सरस्वत□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□, □□□ □ □□□□□ ा: □□□□ □□□□-

“ात्रवणा”

सुन्दरलालक बच्चा □□□□ □□□ □□-सप्प □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ लेलौं। मुदा संयोगो नीक रहए जे सुन्दर□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□

ात्रवणा सुान सुन्दरलाल जठका बाहनक दखबत पुछलक-

“□ □ □□□□□?”

“□□□□”

“□□?”

“□□□□□□□ □□□□□”

सुन्दरलालक बच्चा सबहक बाच दाख मन घावाह भऽ आगपर चढ़ल घाउक सुगधस दरबज्जा सुगाधत पााब ठाढ़ भऽ गत मुदा स हाराभाय भग कऽ दलान। सुन्दरलालक टाह दलाखन-

“□□, पुरान सगा रस्तापर भट , बच्चा सभक □□□ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□□□”

धड़फड़ा कऽ सुन्दरलाल उठ बाांह पकाड़ कुरसापर भाताजक कहलक-

“□□, □□□ □□□ □□ □□□, □□ □□□ □□□□”

काह दुनू भाइ चाकापर बसला। सारया कऽ सभ बसला न र □□ □□-चार रगक ाबस्कुट आ दूटा लालमाहन सजल प्लट ह आाब गल। तज काजक रूप दाख मनम भल जना पाहनस प्लट सज हाइ। तानू गाटक हाथम प्लट आाब गल मुदा हाथ तानूक बाड़ल। दुनू भाइ बाड़न ज पाहन, □ □□□ □□ □□□ □ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□-□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □ □□ □□□□□ □□□□□□-पुता पाहन ाकए न खनाइ शुरू कऽ लइए। अप अगुआएब नाक बूाझ एकटा ाबस्कुट तााड़ मुहम लला। आहा दुनू खाए लगला। बवहार दाख भ्रामत मन सहाम गल। अपनाक ाछ सुन्दरलालक पुछालए-

“□□, □□ □□□□ □□ □□□ □□?”

सुन्दरलाल □□□□-

“□□ □□□□□”

□□ मास सुान मन आरा भराम गल। डढ़ मासपर कलक □□□, □□□ □□□□ □□ □□□! □ □□□ □ □□□□ □□-□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □□-□□□ □□ □□ □□ □□त हतह तखान पारवार कना चलतह। मुदा ावचारक माड़त बजला-

“□□ □□□□ □□ □□□, □□ □□□ □□ □?”

ावशष काज सुान सुन्दरलाल □□□□-

“□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□?”

सुन्दरलालक प्रश्न जना मनक □□□, □□□ □ □□□ □ □□□□ □ □□□□□ □ □□□□-□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□, □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □ □□□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□-□□□□ □□□□□□ □□□-□□□□□□□ □□□ □□□□ □□ छ। काना गर न फुड़ए ज सुन्दरलालक सवुरगर[7] □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□ □.□. क्लासम विषय धार □□□□ □□□ □ □□□, □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □ □□-गिरहस्ताक क्रायक्रमम भगवताक गात बाचम न गाएब त का गाए न खताक अपन उपजाक ठकान छ आ न गिरहतक गिरहस्ताक। तखन हमरे किए रहत। पाशा बदलैत बजलौं-

"□□, □□□ □□□ □□ □□?"

प्रश्न त ए हिसाबस रखला ज जाहना बजरु □□□□□ कलाकारक सात पुश्त तक जनए मुदा अपन वशक तानिआ पु □□□ □□□, मुदा स भल न। जना ठकनाएल रह ताहना सुन्द □□□□-

"□□, जाहना अहा भाय साहबक सगा छियान ताहना ह भला। तए अहा लग काना बात बुझल राख सक छा। गाम □□□ □ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□"

खाल कऽ सुन्दरलाल किछु न बाजल मुदा तहन गड़ूगर प्रश्न राख □□□, □ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□-□□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □ □□ □□□-□□□□□ □□□ □□□ □□□-□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□-□□□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□-□□□□ □□□-गामक उजाड़बा करए आ माटक □□□ □□□□□! □□□□ □□□ □ □□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □ मरखाहो। पाशा बदलि बजलौं-

---

[7]सताषप्रद

"□□□□ □□□□□ □□□□-पुताक आतए लऽ जा नाक र
□□□□□ □□□ □□□ □□□?"

□ □□□□! सुन्दरलाल चुप रहल हर □□□ □□□□ □□□□-

"आहना बुझ छहक। हम क अपना बटाक कारखानाक लू
□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□-
□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□"

□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ ज अनर अनका दरबज्जापर मुह□र हाइ छा तइस नाक ज हराए भायक पूछ बक्ता बना अपन नागार समाट लब नाक हएत। बजल -

"□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□?"

□□□□ □□□ □□□□-

"□□□ □□ □□□□, □ □ु□ □□ □□□□"

अपना दस प्रश्न अबत दाख फर पाशा बदल -

"बाआ सुन्दरलाल, तोहर बात नै बूझि पेलौं □ □□□ □□ □□□
□□□ □ □□□ □□□ □□?"

गभार हाइत सुन्दरलाल बाजल -

"□□□, किए हम परदेश गेलौं, अहा कना बुझा दअ। स्कूलम
नाक विद्याथा गिनतीमे हमहूँ छेलौं। एम.□.□. कला। अहाक
□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□-□□□□ □□□ □□□□
करितौं तँ अहीं बजितौं जे पढ़ै □□□□ □□ □□, □□ □□□
□□□□ □□□ □□□□?"

सुन्दरलालक प्रश्न जना मनक आरा भारया दलक। मुद दरबज्जापर बस जलख क, चाह पीलौं तैठामसँ मुड़ी गौंति □□□ □ नाक न। मुदा मुड़ा उठाएबा असान त नाहय आछ। मनम एकटा

उठल। गर इ उठल ज जइ प्रश्नपर भाय बमकला तहा प्रश्नक ाकए न सुन्दरलालक दोहरा कऽ पुछि दिऐ। बजलौं-

“बाआ हराभायक कान बातक कृ □ भऽ गल छान्ह ज एन □□□□□ □□□?”

सुन्दरलाल हूसल □□□ □ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□-

“□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□□, □□□□□□ □□□ □□ काजक सम्बन्ध न बनत ताब तक एक दबाइत रहत □ □□□ □□□□ □□ए साच भयाक कहालयान ज भाताउ-भताजाक □□□□ □□□ □□□, आत नाक रु -□□□□□ □□□□□□ □□□...?”

‘□□□□’ पछाात सुन्दरलाल रूाक गल। आना ाजनगाक □□□□ □□, भायक साझहाम पक्ष राखब नाक न बुझल , मुदा हराभाइक जना पछला बात आाहना तजगर छलान। तहूम बजल □ □ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □ □□ □□□ □ □ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□, कखना लहास जका भऽ जाइए त कखना कलाशक पाथर जका। हराआ भायक सहए भलान। भलान □ □ अपन भाएक ावचारपर पाान फड़त टटका प्रश्न बनबत बजल -

“तारस पुछ छिअ ज ज बच्चा बच्चस -□□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□□□-सकताइत पाकल बास जका न सक □□□ □ □□□-□□□ □□ □□□ □□□□□-□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□”

हराभाइक प्रश्नक उत्तर छलान। उकडू काजक सुकड □□□□□ □□□-पुताक खल थाड़ छा। तहूम कहन उकडूक कहन सुकड □□□ □□□□ □□□ □ □ □ □ जइ बासक टानस ढग उनटाबए जाएब □ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □ □□ भाइक बाचक बात छा ाकए न आहा गर उनटा ादए। बजल-

"□□□ □□□, बातक कना पाड़छा कऽ काहया। ◌ बूझि पेलौं जे अहा का कह ाछए।"

□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□-

"हमहा दू भाइ छा। दुनू भाइक बाच कहन मत-□□□□□ □□□ □ □□ □□□, □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □ कलकत्ताम सुन्दरलाल ाबमार पड़ए आाक गामम हमह ,
□□□□□ □□□ □□□ □□□?"

□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □ □□□, ाखस्सा सुानानहार ज हूहकारा न दत त ाखस्सकर अपनाक का बूझत। ◌
□□□□□□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ नाहय □□□□ □□□ सुन्दरलाल डढ़ मासपर आएल ◌ , □□□ □□□□ बातक अनठबत फर पाशा बदाल बजला-

"□□□, □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□?"

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ आगठत दाख मन हल्लुक भल। जइ नजारए हरा भायक दख ाछय तइ नजार जागर सुन्दरलाल ◌ आाछ। आाख उठा सुन्दरलाल◌ आाखम गाड़ला। गााड़त सुन्दरलाल बाजल-

"□□□, नाकराक शुरूआताम दस बरख ◌ ◌ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ बढ़ए चाहए ताहना चाहला। जइस ड्यूटाक मजगूतास पकड़ला। □ □□□□ □□□-ाबनट छुट्टा ला आ न ◌ □□ □□□□□□□ □□□□ मुदा बच्चाक पढ़ -ालखाइ आ पत्नाक -□□□□□ □□□□-□□□□ एत भइय जाए ज सालक बास ादनक छुट्टा हरा जाए। छुट्ट ने हुअए जे गाम अबितौं। दस □□□ □□□□ □□□ □□ □ □□ बच्चा कना चष्टगर भल आ पत्नाआ कना ानधाख भला ◌

□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□?”

बिहंगरा सुनि बजलौं-

“□□ □□□□□□?”

□□ ाबजकबत सुन्दरलाल बाजल -

“□□ □ □□□-□□□□□ □□ □□ □□□ □ □□□-हकार पुरम छुट्टा □□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □ अहा न एला।”

□□□□ सुन्दरलाल चुप भऽ गल। पुछालए -

“□□ □□□ □□□?”

जना सुन्दरलालक आखम चुमका एल। बाजल-

“सभ छााड़ दुगापूजाम सपारवार गाम आ लगलौं। मुदा जे □□□ □□ □ □□□ □ □□□”

ाजज्ञासा जगल पुछाल -

“□□ □□□ □□□?”

सुन्दरलाल-

“□□□ □□□ □ □□-□-□□ □□□-□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ बाधा आबए लगल। काहया पत्ना नहरक लाटम नात पुड़ए जत त काहया बच्च -□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□”

“□□□□?”

“तखनि यएह केलौं शनि-रबिक उपयोग केलौं, पारवारक छााड़ गाम आबए लगलौं।”

□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□-

“हरा भायक गाम-[illegible]? [illegible]?”

बजकाल त बााज गला मुदा हरा भायक नाक न लगलान। बमाक [illegible]-

“[illegible], ाटटहा जका हमरा ाटकाटाक [illegible]”

ासरचढ़ू सुजक हाइत दाख उठक गर अटबए लगला। ब[illegible]-कहा दुनूक भाइक बाच भलाह न भल हा , [illegible] त आछए। तहूम दरबज्जापर बस -पानि पीलौं, [illegible] उठैत बजलौं-

“[illegible] कटहा बास जका कतबा ाचक्कन [illegible] खोंचाह रहैए पोरोक बिच्चाम [illegible]”

[illegible] त इ सााच रहा ज दुनू भाइक नाक लगतान मुदा स भल न। सुन्दरलाल चुप रहल, [illegible]-

“अनर समक दाख लगा लाक अपन गल्ला ाछपबए। [illegible]”

[illegible] करैए। बजलौं-

"□□□ □□□, अहा जान न छाड़ब। साफ[8] जका तहन बात लाध □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□[9] □ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□□

हरा भाय बूझ गला। कनाए रूाक बजः -

"□□□□, □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ ावचार कला पछाात एक सामापर आबत बुझब मानए। बुझबक □□□□□ □□□ □□, □□□ □□□□"

हरा भाइक ावचार जना मनम गड़ल। काट जका न गड़ल □□□□□□□□, छनाक पाान जका कपड़ाम बान्हल माटराक पाानक जका गड़ल। कहालयान-

"□□□ □□□, □□□ □□□□□ □□□, □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□□ ाचक्कन कऽ दिया "

ाचक्कन सुान हरा भाइक ठार जना मधुएलान। मुस्का दत बजः -

"□□□□ □□□□ □□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□□ □□□-□□□ □ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□, □□□□ □□□□ □□□ □□□□□ मनुख ाववकहान बान अपन काजक दासरपर लााद दइए। खर, □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□, □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□"

□□□ □□□□ □□□-□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ चाहै छथि। हूँहकारी भरलौं-

"□□□□□ □ □□□□□, □□□□, □□□□ □□□ □□□□□"

---

[8] □□□□ □□□□□

[9] □□

□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ अपनाक पबए ताहना हरा भाय अपन बात बजला-

"जखान सुन्दरलाल आगू पढ़क ावचार , □□□□ सुन्दरालाल आ ापताक एक ावचार रहान। मुदा न ए ह बजलौं जे पिता आगू ाकछु बाजब आ ज कहा सुन्दरलाल □□□ □□□□ □ □□ □□□ □□□, □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ कलंक लैतौं। तँए किछु ने बजलौं, □□□ □□□ □□□□□ □□□□

हूसल सुान ाजज्ञासा बढ़ल। पुछालय -

"□□□?"

□□□□-

"□ □□□ □ □ □□□ □□, □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□"❍❍❍

□□ □□□□□ □□□□

□□ □□□□□

राकश आ मुकश गामक हाइ स्कूलक वग दसमम पढ़त। एक त □□ □□□□या तपर दुनूक माा क एक गाम तए सम्बन्ध □□ □□□ □□□□ गाढ़ सम्बन्ध □ □□□ □ □□ □ □□□□-□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□-□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □ मसल्ला सभक एकबट क□ □□ □, □ □□ □□□ □? □! □ □ □□□ □□ □□□ □ □ □ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□-□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□

दस घटा पढ़ाइक बाच नअम घटाक पढ़ाइ भल। शिक्ष □□ जमानक सवक विषय पढ़बए लगला। जालआएल □□ □□ □□ □□क्षक जका धु -□□□ □ □ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□-□□□ □□□ □□द्याथा सभक □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□-

“जारू जमान जारक न त ककरा □रक।”

लयवद्ध पाा □□ □□द्याथा एकाग्र भल। मुदा अपन षयक नागार □□□□ □□: शिक्षक सवक □□ □□□□ □□□□□

छुट्टाक घटा बजल। सभ विदा भल। द्यालयक आगनक झुण्ड □□□□□□ □□□□-मुकश एकठाम भल। झुण्डक हल्ला □□□□ □□-सप्प □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□-

“जारू जमान जारक, □ □ □□□□ □रक।”

बजक कारण राकशक मनम रह ज मास्टर □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□-

“छुच्छ पाात □□□ □□□, □□ □ □□□ □□□ □□ □□?”

मुकशक चाइलजक राकश कना न स्वाद□□□□ □□□□-

“□□□□□ □ □□-□□□□ □□□□□ □□□ □ हहा-सुहा □ सम्हा□ □□□□”

गपक क्रमक नागार पकाड़ मुकश बाजर -

“[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]ना नगरा लल नगराआ हाइ छ, [illegible] कना बुझल।”

दुनूक बाच प्रश्नपर रग [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-

“[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible]नु पुछनौं ढाकी[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सुानानहार स्व[illegible]ज्ञासु हाइए। बाज -

“[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] मतभदक अपन [illegible] फारछा लत छल मुदा स न भल। -टाका शुरू [illegible], [illegible]-[illegible] शब्दवा[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]द्यालयस घर लग दुनू पहुच गल फारछाएल न। अतम दुनू सहमत भल ज क आहा मास्टर साहबक [illegible] [illegible]ooo

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] शातलहरा अपन कड़कड़ाएल मर [illegible] ल रूप पका [illegible] -स [illegible] मना त सुरूज [illegible] नन आछ। पाच थान [illegible] कक्काक ासरासराएल मन सारका तरम [illegible] रहल छान्ह [illegible] छान्ह [illegible] रहल छान्ह [illegible] वारक कूद- [illegible] बग [illegible] ना अन्हार [illegible]

[illegible] र पाचा थानक पा [illegible] -जन्तु [illegible] खालए मुदा मनुख जका त न का [illegible] या कहत तया त एत [illegible] शाक्त [illegible] शाक्त [illegible] शाक्त [illegible] भलाह वएह शाक्तहान शाक्त [illegible]

□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□न छल। ज दस बखक बाच -कमक सग का□न श्रम कल □□□□□ □□□, □ □□□□ □□□ □□□, □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □ □□□य सक छा। टुटत मनक हुथत ाव□□□ □□□□□□-

> “□□ □□□ □□□□ एत समआ आ श्रमा गमला ज छनम छना□ □□ □□□? □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□!”

अनायास उत्सा□ □□□□□□ □□□ना सूतल लाकक सास भल □□□ □□□ □□□ □□ □ □□ष्प्राण □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□य □□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□□, □□□□□ □□□ □ □ ताड़ाएला जाइ छ। उठल उ□ □ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ आछाइनपर उनटा दुनू कानक तानाक मुरठा बा□न्ह चद्दा□ □□□□□□ □□ □□□ □ □□ □□□□ □□□-□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ हल्लु□□□ □□□□त उत्सा□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□, □□□□ □□□□□ मन फुड़फुड़लान। बारहा मासक बारहा रूप आछ ज -सरूप दुनू □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□ □□□□ □□, □□□ □ □□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□

□□□□ □□□□ □□□□ काका बाहर तकलान त अन्ह□ □□□□ □□□ □ □खाथ। घर अन्हा□, बाहर अन्हा□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ चारबत्ताक स्□ □ □□□□□ त पसरल अन्हा□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ ज चारबत्ताक इजातक बल आ□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□-□□□□□ □□□ □□□-□□□□ □□□ □□ □□□□ काना गामक रस्ता–□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□-□□□□-□□□□□ □□□-□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□-□□□□ □□□□ □□□□□ □□□

□□□-बटाहा अपन गण्तव्य □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□-□□□□ मुरठा बाान्ह, चद्दार □□□ □□□ना हाथम चारबत्ता नन आसारस च्चा □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ना अल्हु -□□□□□ □□ □□ □□□-□□□, □□□-□□□□ □□□□, □□□-□□□ धार भाज्य □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □ □□□ □□□□ □□□□-मच्छर □□□□ □□□□ □ □ □□□□-□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ बसा जरूरत का छ। ज □□ □□□□□ □□□ □□ □ □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □, □□□□□ □□□ □ □□□ □□ □ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□-□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□? □□□□ त बरसाता नाहय □□ □ □□□-□□□ □ □□□□-□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□-□□□ □□ □□□□ □□□ □ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □ नाहय □□□□□□□ □□□ □□□□-मच्छर□ □□□ □□□ □□ □□ □ □ □□□□ □□□-□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□ उपयुक्ता □□□ □ □ □□□□□ □□ □□□ □□□□ कक्काक मन पाछू □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □ □ □ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ना शातक रूप बद पल्ला □□□□ नन आछ। एहन पल्ला □□□□ □□ □□□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ हल्लु□-फल्लु□ □□□□□□□□□ □□□ □ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□-□□□□□ □□□ □□चलाक धाक□□ □□ □□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□□□-बाहर एकबट्ट □ □□□□ □□□□-□□□□ □ आकरा एकबट्ट करए ज झापल घरस □□ □□□, ज घरम झापल रहए □ □□□ □मसत। मनक उत्सा□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□-□□□□□ □ □□□ □□ □□□ □□□ □ □□ काना गाछक चरा छा ज पल्ल□ □□ □□-□□ □□□□□ □□□□□ □□□-□□□□ □□□□□ □□□□-□□□□□ □□ □ □□-पल्ला□ □ □□□ □ □□□□ □□□□-झकासक थाड़ गुदानए। □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□-□□□ □□□□-□□□□ □□□ □□□ बासक मचान बना सात-सात रखन रहा, □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□, □□-□-□□

कहीं ऊहो ने सठि □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□, □□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ल सपता त वसन्त□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□चाइआ गल हएत तया पा -□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□-नागार □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□, □□□□ □□ □□□□□□-

> “पन्नाक जागाल घर छ , □□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□-बच्चाक□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□, □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □ □ □□ □□□ ज आहा लक्ष्मा□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□”

□□□ □□□□ □□□□ काका पन्नाक पुछब खगता न बूझ ग□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□या टान राखल। चारबत्ताक इजात□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□ कक्काक आ□ चान्हउ गलान। पएरक ठस □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □ □□□□□, □□□□-जठम भलाह कम्मह-चद्दार □□□□ □□□ □□, □□□□-□□□□ □□□-□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□□□ वएह न छा। आसारस ा उतारत चारबत्ताक इजात ग□ □□□□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □ □□□ □□□□-

“□□□□□ □ □□?”

पन्नाक अवाज सु□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ पन्नाक पात -□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□

□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ ध्वान □ □□□ □□□ □□□ जरूर रहा □ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □ □□ □ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□, अः-□□□□ □□□□□□ □□ □, □□□ □□□-□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□ □ □ □□ □□□ □ □□ □□□ □ □□□ □□□ □ □□□□ □□ □□, □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ बड़ जाड़ भल त माग □□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □□□ □ □□ □□□ □ □□□ □□□याक झूठ बूझ □□-□□□□ □□□□ □ □□□ □□□□

पन्नाक अवाज सुन □□□ □□□ □□□-

“□□ □□”

□□□ □□□ □□ □□□ □□ बजला ज नाक जका सुन □□ □□□ □□□ □ □□□□ □□ □□ आ सालहन्ना न सुनला , सहा बात न। शब्द आ शब्दक □□ □ □□□□ □□ □□□ □ □□□ □□□ □□□□ □□□□ गभार शास्त्र □ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □ □□□ □□ □□□□ कम्पन्न त काम्पत काइए दइ छ। ज स न त आहन ध □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□

□□-□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ काकाक बजक □□□ □□□, पन्नाक झगड़ाउ प्रवृत । नान्ह-नान्हटा □□□ □□ □□ □□या काका ए रूप रह -□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□-□□□□□ □□ छान्हा □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□, अन्हारा □□□□ □□□ □□□ □□ना रह -□□□ □□-छाट गल्ता □□□ □□ □□□ □□ □□□□क चिक्कन बन □□ □□ □ □□□ काकाक न रहान। माल-□□□ □□□□ □□ □□ □□ मनक जरबत रहान ज क्षण-क्षण छनकत रहान।

□□□ □□ □□□□ □□□ □□□-

“□□□ □□ □, साप-□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□ एलौं। के छी?”

[illegible] कक्काक आत्माक हाड़ [illegible] न्हल [illegible] स्वर, [illegible]-

“[illegible]”

“[illegible] ए एलौं, [illegible] श्राम [illegible] अहाक दुख बूझत आक [illegible]”

“[illegible], [illegible] या टहाल [illegible]”

[illegible]-सप्प [illegible]-जालक आत्मा [illegible] हाराक हाइ छ। एहन पा [illegible] प्रमस जाव। बजल -

“[illegible]”

[illegible] मुदा गृहस्वाग [illegible] क रक्छा [illegible] कन्हाप [illegible] छान्ह [illegible]-

“[illegible] रखने छेलौं सेहो निंघठि [illegible], [illegible]?”

□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□, □□□ □□□ □□□ □□□□□-

> “काल्हुका । न्ता □□ □□□ □□ □□, का‍ि ल का‍ि □□ □□□□
> □□□□ □□□ ज एहन समए काल्हुका हएत ”

□□□ □□□□□ □ □□□□-पाचटा ि‍च□□□ □□□, □□□□□ □□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□ □□-□□ □□□□□ □□□□ □ □□□-□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□, □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□❍❍❍

□□ □□□□□ □□□□

खच

[illegible] बुझलौं नअ बजेमे। सेहो ओना नै बुझलौं, [illegible] सभक, [illegible]-जर काकाक दखए [illegible] भाज लागल। पा [illegible] ए रहल आछ। भाज लाग [illegible] ते रहत मुदा जँ कहीं [illegible] च्चम कक्काक प्राण ६ [illegible] भटा न हता। मात्र चतनशू [illegible] दहस भट हएत। आना दहाक महत त [illegible]

[illegible] दा भेलौं। रस्ताम [illegible]-

“[illegible]”

[illegible] कमक फल हसब भल आाक [illegible], भाज न बुझला। मन भल ज फर [illegible] ऐ मुदा फेर भेल जे जँ कहीं कहि [illegible] दाहराएत तखन आरा सक्कत हएत तइस नाक ज दा [illegible] -तसरक पुछब न [illegible] भट करए जाइए रहल छा तखा [illegible] बुझक हएत स मुखात्राए [illegible]-मनहाएल वायु मुखात्र हाइत अपन [illegible] ना न भवत भव मुखात्र हाइत भवसागरम समा स [illegible]

□□□ □□□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □नया □□□ □□ □ □□-□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ दाख दुनू हाथ जाोड़ प्रणाम करत पुछाल□□-

"□□□, □□ □□□ □□□?"

□ □□□! □□ज्ञासा करए ा ज्ञासु बा गेल छेलौं मुदा ओ तँ जेना □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□-

"□□ □□□-□□□ □□ □□ □□ □□, □□ □□□ □□ □ □□□□, □ □□ □ □□□ □, छा। भन भट-घाट भ□ □□□"

समया काका जना कालचक्रक पूजापर बसल हााथ □□ □□□□ □□□□ □□□ प्रयात जका सुनत रहला, सुनैत रहलौं। ।OOO

□□ □□□□ □□□□

□□□-□□□

□□□□□ □□□ □□, □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□ □□ □□ □□□□ □□□□ □ □□ □□ रहला आ हमहूँ चुपे रहलौं मुदा जखनि चुनौटी निकालि तमाकुल चुनबैक □□-सार केलौं आकि बजला-

“□□ □□ □□ □□□”

पाहल ादनक भट, □□ □□ □□□□□ □ □□ □□ □□ □□ □□ □□□□ अपन अनुमान करए लगला ज मुहक एकाटा दात □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□, □□ □□□ □□□ □ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□! □□ □□□□□ □ □ □□ □□□□□ □□ □□ □□ए। तरहत्था□ □□ □□□ □□□□ □□□-पुताक खल जहाान एतएस चालह □□, धाकड़ा समइह बुाढ़या...□ बाहपर आगरा चलए लगल।

□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□-सप्प □□ □ □□□ □□□-□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ रस्ता □□-सप्प करैत एलौं। दरभंगा अबैक रहए। हायाघाटमे जखनि □ □□□□ □□□ □ □□□□-

“□□ □□या भट-घाट हएब आक □ □□□□”

□□□ □□□□ □□□□-

“□ □□□ □□□ □□□ □□, अखन ाडब्बास □□ □□□, प्राण □□□□ □□□”

□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□□ □ □□ □□□ □□□ गाम एलौं तँ बेटा पुछलक-

“[illegible] केतए हराएल छेलौं?”

[illegible]-

“[illegible]-तखरा दास्ता हुअए लगल त दुान[illegible]”

[illegible], खस्सकर शुरू कम स [illegible]-तखरा त नाक जका सुनला मुदा अखरा कहलक आाक सखरा स नाक जका सुनब न कला। मनम उठल दाखरा [illegible] ([illegible]) प्रम कत प्रगाढ़ [illegible]-जुगान्तर क कहए ज जन्म-जन्मान्तर [illegible] जाहना शुरूम ठाढ़ [illegible]

[illegible] जोड़ि बजलौं-

“[illegible] सावस्त[illegible]”

[illegible]❍❍❍

[illegible]

[illegible]

काल्हुका भाजक अजशस सास ग लाकक चाट लगल मुदा सभस बसा लगलान कुसुमा काकाक। बसा चाट लगक कारण भल [illegible] लल खचक ज मन बनान छल आ पाइ-चुक्ता [illegible] माज जतक खच मगलान स त दइए [illegible][10] [illegible] दुइर करए। तइस घरवयाक क? [illegible] आ जानए जत्ता। सातु सन घून ाकए ा ? [illegible]-फटकन घुनाएल अन्न पासत त दाख ककर हत। बलधकलक काना जवाब हाइ छ, [illegible], ठमकलान ाक माान गलान ज भाजत ानदाख आछ। जाहना न्यायालयक न्याय[illegible] आत्म परमात्मम जााड़ लत आछ ताहना कुसुमा काका भाजतक ाघन - [illegible] पानपत बना कमल फूल जका फुला दलान। मु[illegible]

[illegible] भल ज अनगाआ पच सभ ज य: -कुत्र बाजल स त बजब कएल मुदा इ

[10] [illegible]

[illegible]! [illegible] साझ-भारक तरगन जका एकटा नाढ़या टाह दत [illegible] [illegible]च्छ रूप साझम दखब [illegible]? [illegible] छा काग जका आ कर छा काआ जका स नाक दुनूक नागाड़ जाड़ का-[illegible], [illegible], मुदा गाम त ब्रह्म स रूप निरावकार [illegible]स शून्य [illegible]-खोंटि [illegible] कुसुमा काकाक मन ठमाक गलान। मुदा सुदशन चक्र जका मन [illegible] [illegible]का बुझाए न पब छला। तख नताजा काका आगन पहुचला। जना [illegible]

"[illegible]न मनाही केलौं जे एहेन काजमे[11] [illegible], [illegible] राजा भाज छाथ आ न हुनकर दरवार छान्ह।"

[illegible] कक्का हृदक बाध दलकान। छटपटाइत म [illegible]-

"जखान अहा दख नन छा ज [illegible] जइम कतकाक जशा भलान आ अजशा। मुदा जश-[illegible]?"

जश अजश सुान नताजा काका गाबर सुघाल मुसरा जका [illegible]-

---

[11] [illegible]

“अपनो नै अखनि धरि बूझि पेलौं अछि जे हि□□□□ □□□□ □□□ □□, □ □□□ □□!”

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□-

“□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □□ □, □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□-□□□□ □□□ □□□, त कता खानहार काना वस्तु□ नागार पकाड़ चपत-□□□ □□□□ □□□□”

पत्नाक विचार सुनि नताजा कक्काक मन मान गलान ज भार □□□ □□ □□□□ □□□□-

“□□□ □□ □□□”

“ठाक का कहब। अहा अपन पटगन , □□□ □□ □□□”□❍❍❍

□□ □□□□□ □□□□

[illegible]

“अनसाहात भ[illegible]! [illegible]!”

-[illegible], अपन कुहरब छाड़ अठासा बखक मगला दादा [illegible]

[illegible]-[illegible] सुजक प्रभाक झपत [illegible]ना सागाएल साग दादाक बालताक झा [illegible] बन्न भला [illegible]-[illegible]या मार बिचड़ए ल [illegible] वृन्दावनक गापा एक सकण्डल सतरह सामा भागक जुग मान कृष्णर [illegible], [illegible], [illegible] आरुदा बहुत बाका छ। कता ह [illegible], [illegible]! [illegible]! [illegible] टुकड़ा आछ। ज सए बखक मानब त [illegible]-पचास बखक [illegible], न ज अस्सा [illegible] बखक भल [illegible] [illegible]ठ बखक प[illegible] [illegible] आरुदा पछुआएल छ। [illegible]-

“[illegible], [illegible]”

[illegible], आछाइनपर पड़ल मगला दादा जारस पाताक [illegible]-

“[illegible]?”

दादाक प्रश्न मनाजक मनक जना धक्का मारलक। धक्का मा[illegible] [illegible]-

“[illegible], [illegible], [illegible] ज आइ टाल न जइह।”

एक त झुनाएल पाकल टूर खसत दादाक [illegible] रण शाक, [illegible] असल अथ न बूझ [illegible] छला। पाताक बातक सुन [illegible] लब। बालवाध क्य [illegible]-[illegible] आग्न स्वरूपा बान पृथ्वाक ग [illegible]। आग्न स्वरूपा [illegible]? [illegible] सहयागाक भरपूर सहयाग भटब कल। रस्ता–[illegible] गदा-[illegible] अकासक रसक चुास लल , [illegible]-[illegible], [illegible]-[illegible] गल। सुरूज प्रखर प्रभाक धरत -[illegible], एहन स्थित[illegible]म कालचक्रक [illegible]? [illegible]-[illegible]-[illegible], [illegible][12] [illegible]! [illegible] समक गरुआएल गरमा तपर दहक त [illegible]-[illegible]

शुरूम जखान दाछ [illegible]-[illegible]-मुँह सौंसे गाम समाचार [illegible]-[illegible]-[illegible]-रगक प्रहार [illegible]

[12] [illegible]

□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □ □□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□-□□□ □□□-घटत घाटया गल। एक्कसा घरक टालक जना गाम □□ □□ □□-□□□ □□□ □□□□

□□□□ □□□[13] अपन रूप बढ़बत गल। जाहना शरारम ब □□□□ □□□□ □□□ □□-सग चलए लगल। एक्कसा पारवार आक्रान्त □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □ □□□ □□□ □□□ □ □□-□□ □□□ □□□□ □□□ □□□

□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□[14] □□□□ □ □□-□□□□ □□ □□□□-□□□□□ □□ □□, □□□□ □□-□□□□ □□□ □□ □□□□ □ □□ □□ □□□□ □□ □□? □□□□ □ □□-□□ □□□□□ □□□, □□□□-झाखा□□ □□ □□ □□-चाचड़ □□□□□□ □□□, □ □□ □ □□? मासक ठकान त दादाक मन □□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□□ □□□-करम ठकना नक्षत्र मन रख , □□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□, □ □ □□ □□□□ □ □□□□□ □□ □□ □ □□ □□□□□ मुदा सुनाएल मन सपनए लगलान। सपनाइत खापाड़क मकक लाबा जका □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□-

> “कहा दन □□-□□□□ □□□□□ फाका जका दवसुनराक तहन □□□□ □□ □□□ □ □□-□□□-वनग्न भ□ □□ □□□□ □□-□□ □□ □□□ □ □□ □□ □□ □□□ □□□। जखान एक्क घरक सातटा स्त्रागण सात साढ़ाम तना बटा जाइए ज मनुखक शक्ल-□□□□ □□□□ □□□ □, □□□□ □ □□-□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □ □□-दसबला टाल जाएत त जाानय □ □ ढाढ़ाया बाखक गहुमनक बनात...□”

एक्कसा घरक टालम न एकाटा □□ □□□ □□□ □ □ एक्काटा □□□□ □□□□ □□याक सभ परुखक नाराक सग □ □□ □□ □, □□□□□ □□□□ □□ □□□ □याधस व्यग्र १□ □□□ □ □□□□ □□□□

[13] □□□□

[14] □□□

[illegible] याक उदए-[illegible] हाइ छ। दुनूक फट-फाटम ज जहन बााछ[illegible] बााछ लइए। अनायास स्[illegible] जना बखाक बून पाड़[illegible]ड़क हाइत। एक त उमरक जजर अग तपर चालास बखक स्मृत [illegible] मगला दादाक गरा[illegible] ज गरासक [illegible]-

“[illegible]! [illegible], [illegible]”

[illegible]

[illegible], ‘[illegible]…[illegible]’ [illegible]! [illegible]? [illegible] फर भल ज अनर मनक आनाब छ। माइआ [illegible]-

“[illegible], [illegible], [illegible]ए बज छ?”

[illegible]-

“[illegible]?”

[illegible]? [illegible]यो ने बजलौं, मुदा प्रश्नक जबावा क [illegible] टालक रस्ता [illegible] देलौं, [illegible]-

"[illegible], [illegible]"

बटाक बाल सुान मगला दादाक सुआस पड़लान। दाहरबत बजला-

"[illegible]-[illegible]?"

[illegible] बजलौं, [illegible]-[illegible], [illegible] हएत। रस्ता-[illegible]-

"[illegible], कना नाक जका भाजयब छा तखान नाक जका कहबा। सुन छा ज कहादन आझ -[illegible], गामक सामान बाान्ह दालर [illegible], [illegible]"

[illegible]-

"[illegible]?"

[illegible]-[illegible]-[illegible]-बुढ़ानुसक बासब बड़ भारा नाहय आछ। बाजल-

"अनर कान फड़म पड़ छ। -[illegible]"

'[illegible]-[illegible]' [illegible] '[illegible]-[illegible]' [illegible]-रामक सत् लाक मानए। अधला काज क [illegible]-[illegible]-[illegible]

[illegible]-[illegible]

[illegible]-सप्प [illegible].[illegible].[illegible] [illegible]जल्ट [illegible]शास्त्र आनस पाब [illegible]-[illegible]-[illegible]क प्रमाणपत्र र् वासटा द[illegible]

[illegible]ता प्राफसर साहब -[illegible]-[illegible]-[illegible]-[illegible] [illegible]शास्त्रक प्राफसर छा[illegible]- कन्या [illegible] सुगध भल। सगा सभक बजबक कारण प्राफसर साहब सबहक [illegible]आहक चच उठा, [illegible]

[illegible]-गदाएल मन प्राफसर साहब सुधारा [illegible]-

"[illegible]"

सगा सभ जना बासक एकटा चागराम अनका गाट प[illegible]-[illegible]शास्त्रक छात्रा [illegible], [illegible]या धार[illegible]-काजक [illegible]-

"[illegible], [illegible]?"

[illegible]-

"[illegible], सयुक्त [illegible], तहूम साता भाइक [illegible]"

[illegible]-

“[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]क [illegible]-[illegible]च्चा [illegible] [illegible]?” ❍❍❍

[illegible] [illegible] [illegible]

बकठाइ

[illegible] लाल भायक बकठाइ शुरू [illegible] [illegible]या बकठाइ [illegible]-अशुभक मद्दा न। मद्दा त आतए हाइए जतए [illegible] [illegible]-पन्नाक बाच ा नगाक सम्बन्ध॥ [illegible]या एहना भाइए जाइ छान्ह [illegible]या अकलबराम तहन पराड़क मुड़ा जव [illegible] जे सौंसे गामक लोक जमा भ[illegible] गाआक चाबस्सा [illegible] जातखाए भायक दाखा बना मुह बन्न करल क , [illegible] अकलबराम कएल जाए। तए छुट्टा साढ़ जका दुनू पराना लाल भायव [illegible]-पचगर कम छाश[illegible] गेलौं, [illegible]-माटाइ आ गुद्दाक रग ज एक ह , [illegible]म ज उलाक [illegible]? [illegible] घरनाक दसटा साहर सुनबक आध[illegible]य जता ाक[illegible]

□□□□□ □□□□ □□-□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □ □□□□□ रूद्राक्षम -□□□ □□□□□ □□□□ □ □□ □□□□□ □□□□? □□ □ □□□...□

□□□□□□या बकठाइ तए दुनू पराना आहन अभ्स्त □ □□ □□□ एक आसन एक टाग धन रह छाश□ □□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□□ □□चारक दूरा नमहर छान्ह □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□य पहुचल □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□क प्राणा ध, ज दूटा मनुखक एकठाम रहक सूत्र न बनल रहत त काल भसा-भ□□ □□□□ □□□□ □□□□□ सूत्र त दुनू पराना लाल भायक बान्हए दन छान्ह।

दुनू पराना लाल भाइक आझुका बकठाइ छल □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □ □□द्धान्त□ □□□□ □न्ह। □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ पड़ल रहला। जना अस्सा □□ □□□ □□□□□□ □□□ गल हान्ह □□□□□ □□ना बच्चा□ शुरूक □क्ष □□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ छान्ह। □□द्धान्त□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□! □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ तुरू□ □□□□। तुरूछक कारण छ □ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□□ □ □ □□□□□ □ □ □□-□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □ □□□□□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□.., □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□-□□ □□□ □□□□□ □□या जका चलत रहा□ □□□□ □□ना बाज रूपम एक स पाकम □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□-□□च्चा □□□□ □□□□। बच्चम एक गुरु न अनक गुरु मा-□□□□ □□ □□ □□□त्य □□क गुरुक उपदश कानम पड़त रहल □ '□□ □□□, □□□□ □□□□□ □ □□□□, □□-धमक पालन करा! □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□, □□□□□□-

> "□या अपन कर-धता छ, □द्धान्त□ □□ □□□□ □□□□□ □□"

□□□□ग जकाँ विचारक बीच खूट्टा गाड़ □□□□

□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□-□□ □ □□याक क एहन पुरुख □□□ ज अपन स्वच्छार □□□□ □□□ □□? तठाम त अजमाल पुरुख □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□-

> “□□, □□स माड़ जकाँ आछाइन पकड़ने छ, □□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□”

लाल भाजाक बात लाल भायक जचर □ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□-

> “□□ □□ □□-□□ □□, अहा पाइए सार□□ □□”

□□□ □□□□ □□□□□ भया नाक जकाँ परखन। परखन इ छाः □ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□, □□ □□□□ □□□ □□□□□-

> “□□-□□ □□ □□□ □□ □□□ □□, □□□□ □□□ □□□ □ □□□, □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□”

□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□, □□ □□□□ चिन्ता □□□ □□□ □□ □□□□ □□ना भक्त□ □□□□□□ □ □□□ □□□□□ □□□ □□□□, □□□□□

□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□-

> “□□□ □□□ □?”

> “दूधबलाक पाइ दइल।”

> “□□-भार अहूक कि□ □□□ □ □ □□□ □दा भेलौं?”

“[illegible]?”

“[illegible], [illegible]”

“[illegible]”

[illegible] दुनूक[15] ज्वर [illegible]क [illegible]। मुदा दुनूक ज्वर [illegible]-[illegible]-[illegible] वारक सम्मानक रक्छाव [illegible] [illegible]-सम्मानम।❍❍❍

[illegible]

[15] बाघा आ आदमाआक